डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 198 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 04 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

कलेक्टरों से मांगी जानकारी, मठ-मंदिरो में कितने गैर हिंदू संभाल रहे प्रबंधन?

भोपाल, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश के 22 हजार सरकारी नियंत्रण वाले मठ, मंदिर, देवस्थान और धर्मशालाओं में पूजा-पाठ, प्रबंधन, सुरक्षा और केयरटेकर का जिम्मा संभाल रहे गैर हिंदुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। इसमें पुजारी, स्थानीय ट्रस्ट, प्रबंधन समिति, सरकारी कर्मचारियों सहित वे सभी लोग शामिल हैं, जो मुस्लिम, ईसाई या किसी अन्य धर्म से संबंधित हैं।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर भौतिक सत्यापन के साथ जानकारी भेजने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में सरकार के अधीन 22 हजार मंदिर हैं, जिनमें से 107 मंदिरों को तीर्थ स्थल का दर्जा प्राप्त है। कई मंदिरों का संचालन धार्मिक न्यास, ट्रस्ट या कलेक्टर की अध्यक्षता वाली मंदिर प्रबंधन समितियों द्वारा किया जाता है।

यह भी देखना प्रासंगिक होगा कि मोहन सरकार को विरासत में मिला क्या था..!

मध्य प्रदेश सरकार के अभी तक के सबसे युवा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव है। इनके पहले शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री थे और साढ़े तीन लाख करोड़ रूपए कर्ज में डूबी प्रदेश सरकार डॉ मोहन यादव को विरासत मे देकर गए थे। डॉ मोहन यादव पीएचडी धारक साक्षर राजनेता है, अत: स्वाभाविक है कि उनके आसपास के मित्रों, करीबियों में सभी साक्षर और अति साक्षर होंगे। शायद यही कारण है कि जब मध्य प्रदेश की कर्ज में डूबी सरकार के मुखिया मोहन यादव बने थे तब आम और साक्षर वर्ग में ही चर्चा थी कि आर्थिक कर्ज में डूबे मध्य प्रदेश को मोहन यादव चला नहीं पाएंगे! पहला महीना भी नहीं बीता था कि वेतन बांटने के लाले पड़ गए थे। आज सवा साल पूरे हो चुके हैं और मोहन सरकार बखूबी चल रही है। यह अलग बात है कि सरकार चलाने के लिए प्रतिमाह कर्ज लेना पड़ रहा है, जो सभी राज्य सरकारे करती आ रही है।

आशुतोष नवाल

वर्तमान में तमिलनाडु राज्य भारत में सबसे ज्यादा कर्ज 8.3 लाख करोड़ रुपए ले चुका है। उत्तर प्रदेश 7.7 लाख करोड़, महाराष्ट्र 7.02 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल 6.6 लाख करोड़, कर्नाटक 06 लाख करोड़ रुपए कर्ज के क्रम से कर्जाधारक राज्य है। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार को प्रदेश को चलाने के लिए अभी और कर्ज लेने की जरूरत होगी। सरकार के नियमित खर्चे में बीते वर्षों के आंकड़े दर्शाते हैं कि 54 हजार 101 करोड़ रूपया वेतन में, 19 हजार 360 करोड़ रूपए पेंशन में, 22 हजार 166 करोड़ रूपए ब्याज में, इस तरह लगभग 95 हजार 627 करोड़ रूपया हर हाल में सरकार को चाहिए ही जो लगातार बाजार दर के अनुपात से बढ़ता भी जा रहा है। वर्तमान प्रदेश के कुल बजट का आठवां हिस्सा देनदार की किश्त और ब्याज के रूप में जाता है।

सवा साल की मोहन सरकार में तबादलों का औसत हमेशा के मुकाबले कम ही रहा है। घाटे की सरकार मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव लगातार मध्य प्रदेश की आय को बढ़ाने का प्रयास करते नजर आए हैं। औद्योगिक व्यापारी समीट के साथ फिर से प्रदेश को टैक्सटाइल हब बनाने के प्रयास, बेजा खर्च में कटौती को भी अभियान की तरह चलाया जा रहा है। यह भी स्वाभाविक है कि वर्षों से लगातार बेजा सरकारी खजाने पर खर्च को बढ़ाने वाली योजनाओं पर अंकुश लगाना आसान नहीं है। यह जानते हुए भी सरकार ने अपने प्रयास जारी रखे हैं। इस प्रयास में विपक्ष की आलोचना तो स्वाभाविक है पर अपने ही वे लोग भी प्रभावित होकर नाराज होंगे, जिनके व्यक्तिगत स्वार्थ आहत होंगे।

यह भी शाश्वत है कि आर्थिक सुधार के असर को सतह पर नजर आने में समय लगता है तब और भी ज्यादा जब आमदनी और खर्च के बीच का अंतराल खास अंतर रखता हो। प्रदेश के नागरिक मतदाता जागरूक है, साक्षर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कार्य प्रणाली से खुश हैं कि जब उनके आर्थिक सुधारो के नतीजे सतह पर आने लगेंगे तब विरोधी तो क्या उनके अपने विरोधियों के कथन भी बदलते नजर आएंगे।

ई-केवाईसी ने दिया राशन माफियाओं को तनाव...

सिर्फ इंट्री करवाने वालों को ढूंढ रहे संचालक

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। राशन दुकानों पर धांधली की खबरें आम है। कई दुकान संचालक लंबे समय से गरीबों के राशन को बाजार तक पहुंचाकर तगड़ा मुनाफा कमा रहे हैं। लेकिन, ई-केवाईसी के आदेश ने राशन माफियाओं को तगड़ा झटका दे दिया है। इसका कारण है कि राशन कार्ड फर्जी तरीके से नियम विरुद्ध बने हुए थे। इसके अलावा कई नाम ऐसे चढ़े हुए थे जो मंदसौर में ही नहीं है। ऐसे भी लोग है, जिनकी सिर्फ राशन दुकान पर अनाज की इंट्री हो रही थी। अब 15 मई के बाद बिना ई-केवाईसी के राशन नहीं मिल पाएगा। इससे राशन माफियाओं की कालाबाजारी पर काफी हद तक नियंत्रण लग सकता है। इधर राशन माफिया अपने ग्राहकों को ई-केवाईसी करवाने के लिए ढूंढ रहे हैं। बता दे कि जिले में अभी भी डेढ़ लाख लोगों की ई-केवाईसी नहीं हो पाई। जबकि 30 अप्रैल इसकी अंतिम तारीख थी। जिसे एक बार बढ़ाकर 15 मई कर दिया गया है।

आंकड़े बयां कर रहे हैं धांधली का खेल...

शासन ने ई-केवाईसी करवाने के लिए एक लंबा समय दिया। कई तरह से प्रचार प्रसार किए गए। इसके अलावा जागरुकता अभियान भी चलाया जा रहा है। लोगों को हर तरह से ई-केवाईसी करवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके बाद भी डेढ लाख लोगों की ई-केवाईसी नहीं हो पाई। जबकि, राशन दुकानों की बात करें तो लगभग शत प्रतिशत राशन उपभोक्ता कागजों में राशन दुकान से लेकर जा रहा है। अब जब ई-केवाईसी की बारी आई तो राशन ले जाने वाले लगभग डेढ लाख लोग ई-केवाईसी करवाने ही नहीं पहुंच पा रहे। मतलब कम से कम एक लाख लोगों को फर्जी तरीके से राशन वितरित हो रहा था।

यह है केवायसी की स्थिति...

स्मार्ट पीडीएस सिस्टम लागू करने के लिए सभी उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी होना जरुरी है। पहले 30 अप्रैल तक इस काम को पूरा करना था। लेकिन, अब इसकी तारीख 15 मई तक कर दी गई है। पिछले माह तक की बात करें तो 01 लाख 55 हजार के करीब ई-केवाईसी होना बाकी है। विभागीय अधिकारियों ने राशन लेने वाले 03 हजार से ज्यादा लोगों के नाम भी हटाए है। ये वो लोग है जो या तो जिले से पलायन कर गए है या इनकी मौत हो चुकी है। हालांकि इसके बाद भी अभी भी बढ़ी संख्या में ई-केवाईसी पेडिंग है।

अभी भी जिले में डेढ़ लाख बाकी

यह भी एक कारण...

अधिकारियों का कहना है कि अभी और भी नाम हटाए जाएंगे। मृतकों के नाम जनपद और नगरीय निकाय के स्तर पर काटे जाने थे। कई बार निर्देशित करने के बाद भी यह काम नहीं हो सका। यही कारण है कि जो पेंडिंग नामों की सूची दिखाई दे रही है, उनमें इस तरह के नाम भी काफी संख्या में शामिल हैं। इसलिए स्थानीय निकायों को इस काम को प्राथमिकता से करना होगा। ई-केवाईसी नहीं होने को लेकर सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों को हो रही है। 80 वर्ष से अधिक की आयु के उपभोक्ताओं के साथ परेशानी यह हो रही है कि उनके न तो चेहरे से और नही उनके फिंगर प्रिंट का मिलान हो रहा है। इनके आधार कार्ड में जो मोबाइल नंबर हैं वे भी काफी पहले के हैं, जिन्हें अब यह उपयोग ही नहीं कर रहे हैं। इनसे आधार कार्ड अपडेट के लिए कहा जा रहा है। लेकिन, वहां जब जाते हैं तो फिंगर प्रिंट नहीं आ पा रहे हैं। इस तरह से उनके आधार भी अपडेट नहीं हो पा रहे हैं।

क्रिटिकल केयर ब्लॉक और एमसीएच भवन होंगे हैंडओवर...

इस महीने मिलेगी दो अत्याधुनिक यूनिट की सौगात

गंभीर मरीजों को मंदसौर में ही मिलेगी उपचार की सुविधा

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। इस महीने बड़े अस्पताल को दो नई अत्याधुनिक यूनिट की सौगात मिलने जा रही है। इसमें एक 22 करोड़ 50 लाख रुपए से बनी एमसीएच (मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर यूनिट) है। यह अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होकर महिलाओं व शिशुओं के उपचार में मदद करेगी। वहीं दूसरी 13 करोड़ 30 लाख रुपए से बनी सीसीबी (क्रिटिकल केयर ब्लॉक) यूनिट गंभीर मरीजों के इलाज में मदद करेगी। अधिकारियों के अनुसार मई माह में ये दोनों भवन हैंडओवर होना है। बड़े अस्पताल को दोनों यूनिट मिलने से सुविधाओं में दोगुना विस्तार हो जाएगा।

बड़े अस्पताल में रोजाना औसतन 1200 से ज्यादा मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। हर माह यहां लगभग 500 से ज्यादा प्रसूताओं की डिलीवरी होती है। जिले के अंतिम छोर गरोठ-भानपुरा के अलावा नीमच व राजस्थान क्षेत्र से भी यहां क्रिटिकल मामले पहुंचते हैं। वहीं सड़क हादसो सहित अन्य कारण से हुए हादसों के गंभीर मामले भी रोज 5 से 10 आते हैं। सुविधाओं के अभाव में कई बार मरीज को रेफर करने की स्थिति भी बन जाती है। सिविल सर्जन डॉ. डीके शर्मा ने बताया कि एमसीएच बिल्डिंग व सीसीबी यूनिट बड़े अस्पताल को मिलने से सुविधाओं में दोगुना विस्तार होगा। इससे सिर्फ मंदसौर जिले ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों को भी सुविधा मिलेगी। एमसीएच बिल्डिंग में अत्याधुनिक मॉड्यूलर ओटी स्थापित किया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि ओटी में लगा हेपा फिल्टर बैक्टीरिया व वायरस को खत्म कर देगा। इसमें सारे उपकरण डिजिटल और हाईटिक होने से पॉजिटिव प्रेशर मेंटेन रखेगा। वहीं, एमसीएच बिल्डिंग के लिए डॉक्टरों की नियुक्ति व उपकरण का प्रस्ताव भेजेंगे।

एमसीएच बिल्डिंग– वर्तमान में एमसीएच बिल्डिंग का काम पूरा हो चुका है। फिलहाल यहां महिला ओपीडी संचालित होना शुरू हो गई है। निर्माण कंपनी का कहना है कि इस माह में सभी काम पूरे हो जाएंगे। बता दें कि पूर्व में इसे मार्च में हैंडओवर करने का दावा किया गया था।

सीसीबी यूनिट– इस जी प्लस थ्री यूनिट में आईसीयू, आइसोलेशन वार्ड, लेबर रूम सहित मेल-फीमेल वार्ड, नर्सिंग स्टेशन सहित अन्य सुविधाएं शामिल हैं। इसके साथ ही भवन में विशेष रैंप भी तैयार किया गया है ताकि मरीज के पहुंचते ही स्ट्रेचर के माध्यम से उसे वार्ड में शिफ्ट कर सकें।

सरकारी स्कूलों में अब 75 से अधिक बच्चों पर तीन शिक्षक

भोपाल, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग ने पूर्व में जारी शालाओं की पद संरचना में बदलाव कर नवीन पद संरचना के आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के बाद प्राथमिक स्कूल में शिक्षकों की पद स्थापना में बच्चों की छात्र संख्या 15 बढ़ा दी है। यानी अब पहले की तुलना में ज्यादा स्टूडेंट होने पर ही शिक्षक बढ़ सकेंगे। छात्रों की संख्या 75 से कम होने पर सिर्फ दो शिक्षक ही रहेंगे। इस आदेश के बाद से ही प्रदेशभर में शिक्षकों का विरोध शुरू हो गया है।

415 से ज्यादा विद्यार्थी होने पर मिलेगा एक खेल शिक्षक...

विभाग ने खेल शिक्षक को लेकर भी आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कक्षा एक से 10वीं तक के ऐसे स्कूल जहां 415 से ज्यादा बचे हैं तो स्कूलों में खेल शिक्षक का एक पद स्वीकृत किया है। यानी अब ऐसे स्कूल में खेल शिक्षक भी रह सकेंगे। वहीं 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों में खेल शिक्षक का एक पद स्वीकृत किया गया है।

यह रहेगी स्कूलों की नई पद संरचना...

✻ पहले 60 बच्चों तक दो शिक्षक जरूरी थे। इस नियम में किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया है।

✻ 61 या इससे ज्यादा होने पर पहले तीन शिक्षक का नियम था। अब 75 से अधिक होने पर तीन शिक्षकों की नियुक्ति हो सकेगी। 91 या इससे अधिक स्टूडेंट होने पर स्कूलों में पहले चार शिक्षक रखने का नियम था। अब 105 या अधिक होने पर चार शिक्षक रहेंगे।

✻ 121 या अधिक होने पर पहले पांच शिक्षक का नियम था। लेकिन अब 135 या इससे अधिक होने पर स्कूल में पांच शिक्षक रहेंगे। 150 से अधिक होने पर 5 शिक्षक और एक प्रधानाध्यापक रहेंगे।

✻ 200 से अधिक होने पर छात्र शिक्षक अनुपात (प्रधानाध्यापक को छोड़कर) चालीस (1 अनुपात 40) से अधिक नहीं होगा।

हार्न बजाया तो मारा चाकू, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। ट्रक साइड में लेने के लिए हार्न बजाया तो चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज किया। सुनील पिता मांगीलाल राठौर ने मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं बेटे अभय के साथ वेन से घर आ रहा था। रास्ते में खड़े ट्रक को हटाने के लिए हार्न बजाया तो वहां मौजूद जितेन्द्रसिंह आया और बोला कि हार्न क्यों बजाया ? गलौज के बाद मारपीट की व चाकू से मेरे बेटे अभय के कान पर वार किया, जिससे मेरा बेटा घायल हो गया। जिसे मल्हारगढ़ के बाद मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया।

नाचने पर पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। नाचने पर महिला के पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया। कचनारा निवासी रोडीबाई पति प्रभुलाल बागरी ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरी बेटी की शादी में मेहमान नाच रहे थे। तभी घनश्याम पिता प्रभुलाल बागरी आया और बोला यहां नाच, गाना मत करो। मैंने कारण पूछता तो गाली-गलौज की व मारपीट कर पत्थर फेंके जिससे चोंट आई। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया।

सीतामऊ-गरोठ में सीएम बोले....

कितनी भी परेशानी आए, जमीन मत बेचना

लोकार्पण और भूमिपूजन के साथ किसान सम्मेलन को किया सम्बोधित

सीतामऊ/गरोठ, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। घर में कितनी भी परेशानी आए, अपनी जमीन नहीं बेचना। चाहे घर गिरवी रख देना, लोन ले लेना, लेकिन जमीन को बचा कर रखना। यह बात मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कही। वे सीतामऊ और गरोठ क्षेत्र में आयोजित किसान सम्मेलन के साथ करोड़ों के विकास कार्यो का भूमिपूजन और लोकार्पण कर रहे थे।

सीतामऊ में शुक्रवार को किसान सम्मेलन और एग्री-हॉर्टी एक्सपो का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री मोहन यादव कार्यक्रम में शामिल हुए। मंच पर डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना और बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। एक्सपो में उन्नत कृषि तकनीक, नवाचार और फूड प्रोसेसिंग की जानकारी दी जा रही है। इस बीच मुख्यमंत्री की सभा में विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। सीएम ने किसान सम्मेलन एवं एग्री-हॉर्टी एक्सपो में 07 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, नवाचार और फूड प्रोसेसिंग उद्योग की जानकारी दी जा रही हैं। कार्यक्रम में लगभग 250 निवेशक भाग ले रहे हैं। मसाला और औषधि फसलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जिले के चंदवासा में 33.14 करोड़ और लदुना में 33.59 करोड़ की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय तथा 19.31 करोड़ की लागत से निर्मित सुवासरा- गुराड़िया कला मार्ग का लोकार्पण किया।

तख्तियां लेकर एक्सपो में जाना चाह रहे थे....

मुख्यमंत्री की सभा में विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने सीतामऊ स्थित गुरुकृपा होटल के पास से हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। कांग्रेसी हाथों में तख्तियां लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना चाहते थे। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वे नारेबाजी करने लगे। बात न मानने पर हिरासत में लिया गया। तख्तियों में गेहूं के दाम 2700 रुपए और लाडली बहना योजना को 3000 दो लिखा था।

अलसी के डंठल से रेशा उत्पादन...

सम्मानित होने वाले किसानों में दलौदा के डॉ राकेश पाटीदार शामिल हैं, जो अलसी के डंठल से रेशा उत्पादन कर रहे हैं। सिंदपन के शुभम शर्मा वर्मी कंपोस्ट, मधुमक्खी पालन और मशरूम की खेती करते हैं। मंदसौर के अनुशील गुप्ता 500 किसानों के साथ गाजर की कांट्रैक्ट फार्मिंग कर रहे हैं।

सरकारी नौकरी छोड़, जैविक खेती अपनाई...

धलपट के जितेंद्र पाटीदार सौर ऊर्जा से ड्रिप सिंचाई द्वारा फलों की जैविक खेती कर रहे हैं। जग्गाखेड़ी के लक्ष्मीनारायण माली शेडनेट हाउस में विभिन्न फूलों की खेती करते हैं। पिपल्या जोधा के नरेंद्र सिंह बोराना ने सरकारी नौकरी छोडक़र पशुपालन और जैविक खेती अपनाई है।

दूधाखेड़ी में कहा, देवी लोक विकसित किया जायेगा...

सीतामऊ के बाद के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव गरोठ क्षेत्र में पहुंचे। यहां दूधाखेड़ी माता मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके साथ ही चार सौ करोड़ से अधिक की लागत के निर्माण कार्यो का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। डॉ यादव ने जनसभा में कहा कि क्षेत्र की आस्था के केंद्र दुधाखेड़ी माता मंदिर परिसर को देवी लोक के रूप में भव्य रूप से विकसित किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक कार्य होगा।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अपने संबोधन में कहा कि गरोठ भानपुरा क्षेत्र का ऐतिहासिक विकास हो रहा है। यह क्षेत्र अब देश मैं चहूं और जूड़ रहा है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे तथा अन्य मार्गों के निर्माण से गरोठ भानपुरा क्षेत्र देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ रहा है। उज्जैन गरोठ मार्ग निर्माण से हमारी सरकार ने उज्जैन से इस क्षेत्र के हजारों साल पुराने संबंध को और पक्का करने का कार्य किया है। इस क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित कर रहे हैं। क्षेत्र में अब चीते दौड़ते हुए दिखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरोठ भानपुरा क्षेत्र का ऐतिहासिक एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्व है। यहां पर भानपुरा शंकराचार्य जी की पीठ स्थापित है। मुख्यमंत्री द्वारा शंकराचार्य श्री सत्यमित्रानंद जी महाराज के कार्यों की जिक्र करते हुए धर्म तथा राष्ट्र के लिए विभिन्न शंकराचार्य गणों के कार्यों र्तथा भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रदेश में जिन-जिन स्थानों पर भगवान कृष्ण की लीलाएं हुई है। उन स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। गीता भवन बनाये जा रहे हैं। गरोठ भानपुरा में भी गीता भवन बनाया जाएंगा। कामधेनु योजना से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जा रही है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक क्षेत्र में प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे निरंतर इस क्षेत्र में आते रहेंगे तथा विकास की सौगात मिलती रहेगी।

विचार-मंथन

महाराष्ट्र की ईवी नीति से पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी देकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल की है. इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के लिए महाराष्ट्र सरकार की इस पहल के निश्चित रूप से सकारात्मक नतीजे निकलेंगे और वायु प्रदूषण कम करने में अपेक्षित सफलता हासिल होगी. अपनी नीति में महाराष्ट्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर सब्सिडी प्रदान करने तथा राजमार्गों पर टोल टैक्स में छूट देने का प्रावधान किया है. महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में से है जहां पेट्रोल तथा डीजल से चलने वाले वाहनों की संख्या सबसे ज्यादा है. मुंबई, नागपुर, पुणे, अहमदनगर, औरंगाबाद, नाशिक जैसे बड़े शहर ही नहीं बल्कि अमरावती, अकोला, नांदेड़, रत्नागिरि, जालना, लातूर जैसे मध्यम स्तर के शहरों तक को प्रदूषण अपनी चपेट में लेने लगा है. डीजल तथा पेट्रोल से चलने वाले वाहनों से निकलने वाला धुआं महाराष्ट्र के वायु मंडल में जहर घोल रहा है. वैकल्पिक ईंधनों से वाहन चलाने के प्रयोग महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर हो रहे हैं लेकिन इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे विकल्प की तरह सफलता नहीं मिल सकी है. वास्तव में इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल तथा डीजल से चलने वाले वाहनों के सबसे अच्छे विकल्प के रूप में अपनी क्षमता को साबित कर चुके हैं. इसीलिए लोग उन्हें तेजी से अपना रहे हैं. उन्हें पेट्रोल-डीजल वाहन का शत-प्रतिशत विकल्प बनाने में कुछ बाधाएं हैं. मसलन इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत बहुत बड़ी समस्या है. पेट्रोल-डीजल वाहनों की तुलना में ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) महंगे हैं. उनका रख-रखाव भी अपेक्षाकृत जटिल है. इसके अलावा सबसे बड़ी समस्या उन्हें चार्ज करने की है. बैटरी से चलने वाले इन वाहनों को चार्ज करने में बहुत वक्त लगता है. दूसरी बड़ी समस्या है कि उन्हें चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशनों की बहुत कमी है. ये वाहन फिलहाल शहर के भीतर या आसपास पचास-सौ किमी के दायरे तक यात्रा करने के लिए ही उपयुक्त हैं. लंबी दूरी की यात्रा के लिए इन वाहनों में क्षमता तो है लेकिन समस्या यह है कि बैटरी की चार्जिंग खत्म हो जाने पर उन्हें चार्ज करने के लिए राष्ट्रीय और प्रादेशिक राज मार्गों पर सैकड़ों किमी तक चार्जिंग स्टेशन ही नहीं मिलते. इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार करते वक्त महाराष्ट्र सरकार ने इन मामलों को ध्यान में रखा है. नई ईवी नीति में हर 25 किमी के दायरे में चार्जिंग प्वाइंट बनाने का प्रावधान है. इससे लंबी दूरी की यात्रा करने पर ईवी को चार्ज करने की समस्या का समाधान हो जाएगा. ईवी की ज्यादा कीमतों पर भी राज्य सरकार ने गौर किया है. उसने ईवी की बिक्री बढ़ाने के लिए उनकी खरीद पर ग्राहकों को 10 से 15 प्रतिशत की छूट देने का प्रावधान भी किया है. इससे ईवी की बिक्री को निश्चित रूप से प्रोत्साहन मिलेगा. भारत दुनिया के उन मुल्कों में शामिल है जहां कार्बन उत्सर्जन सबसे ज्यादा होता है और इस अप्रिय मामले में महाराष्ट्र भी पीछे नहीं है. औद्योगिकीकरण तथा वाहनों की विशाल संख्या एवं राख व धुआं उगलने वाले बिजलीघरों के कारण वायु और ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है. इससे तापमान में भी असामान्य वृद्धि दर्ज की जा रही है. राज्य में वायु प्रदूषण के महत्वपूर्ण कारणों में वाहन भी हैं. पेट्रोल तथा डीजल का विकल्प ढूंढने के प्रयास वर्षों से चल रहे हैं. जो विकल्प मिले हैं, उनसे पेट्रोल तथा डीजल की खपत कम करने में कोई खास मदद नहीं मिल रही थी. इलेक्ट्रिक वाहन सबसे अच्छे विकल्प के रूप में तो उभरे लेकिन कई कारणों से उसे लोकप्रिय बनाने की प्रक्रिया धीमी रही. चार्जिंग तथा कीमत से जुड़ी समस्याओं के कारण ईवी को अपनाने में लोगों को वक्त लगा लेकिन एक बार उसकी उपयोगिता समझ में आ जाने के बाद ईवी की बिक्री में तेजी से वृद्धि होने लगी है. एक अनुमान के मुताबिक अगले दस वर्षों में महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में शामिल हो जाएगा जहां ईवी की संख्या डीजल-पेट्रोल से चलने वाले वाहनों से ज्यादा रहेगी. पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में ईवी काफी मददगार साबित हो सकते हैं. इन वाहनों से जहरीला धुआं नहीं निकलता और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है।

किसान उत्पादक संगठन का बढ़ता कारवां

उमेश चतुर्वेदी

साल 2014 के आम चुनावों के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में साल 2022 तक भारतीय किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था। भारतीय कृषि की चुनौतियों को देखते हुए इस लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं। भारतीय किसान मेहनत तो खूब करता है, लेकिन आधुनिकीकरण की कमी, मांग और स्थान के लिहाज से व्यवस्थित आपूर्ति प्रबंधन की कमी और कृषि जोत में लगातार कमी के चलते उसे उसके परिश्रम का वाजिब फल नहीं मिल पाता। इन्हीं समस्याओं को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने किसान उत्पादक संगठन की परिकल्पना की, इसके अंग्रेजी शब्दों के पहले अक्षर के नाम पर इसे एफपीओ के नाम से भी जाना जाता है। इस परिकल्पना को प्रधानमंत्री मोदी ने 29 फरवरी 2020 को मूर्त रूप दिया। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसे लागू होने के ठीक पांच साल बाद यानी 24 फरवरी 2025 को बिहार के भागलपुर में प्रधानमंत्री ने दस हजारवें एफपीओ की शुरूआत की। बिहार के खगड़िया जिले में पंजीकृत इस एफपीओ का मकसद मक्का, केला और धान की फसल के उत्पादन और उसके विपणन पर है। बहरहाल एफपीओ योजना के तहत साल 2027-28 तक के लिए सरकार ने छह हजार 865 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इनकी मदद से एफपीओ को वित्तीय संसाधन मुहैया हुआ। इनकी वजह से आज एफपीओ ना सिर्फ किसान संगठन है, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और छोटे किसानों को अहम बाजार लाभ, मोल-भाव की ताकत और बाजार तक पहुंच में सुधार की दिशा में सीधी पहुंच मुहैया कराने वाला मंच बन चुका है। इस मंच ने किसानों को सामूहिक सौदेबाजी की ताकत दी है। अब तक के उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से देखें तो देश के पंजीकृत एफपीओ में करीब 30 लाख किसान सीधे जुड़े हुए हैं। जिनमें करीब 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी समर्थन, बाजार तक सीधी पहुंच और सहकारी प्रयास की वजह से ये एफपीओ कृषि क्षेत्र में अब हजारों करोड़ रुपये का ना सिर्फ सीधे कारोबार कर रहे हैं, बल्कि किसानों की समृद्धि बढ़ाने में भी सहयोगी बने हुए हैं। सबसे पहले जानते हैं कि किसान उत्पादक संगठन यानी एफपीओ क्या है? एफपीओ दरअसल कंपनी अधिनियम के चौदहवें भाग के खंड ए के तहत सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत किसान-उत्पादक संगठन है। खेती-किसानी और उससे जुड़ी गतिविधियों और उत्पादन के साथ ही विपणन से फायदा उठाने की कोशिश के तहत इन संगठनों को खड़ा किया गया है। एफपीओ के सदस्य किसान होते हैं, इस लिहाज से कह सकते है कि एफपीओ एक तरह से किसान-सदस्यों द्वारा नियंत्रित उनका अपना स्वैच्छिक संगठन है। इसके सदस्य इसकी नीतियों के निर्माण और उन पर फैसला लेने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इनकी सदस्यता के लिए लिंग, समाज, नस्ल, राजनीतिक या धार्मिक विचार आदि का ध्यान नहीं रखा जाता। इन सदस्यता उन सभी लोगों को मिल सकती है, जो इसकी सेवाओं का उपयोग तो कर ही सकते हैं, सदस्यता की जिम्मेदारी को स्वीकार कर सकते हैं। एफपीओ के संचालक अपने किसान-सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, प्रबंधकों एवं कर्मचारियों को जरूरी शिक्षा और प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं, ताकि वे अपने संगठन के विकास में प्रभावी भूमिका निभा सकें। सहकारी आंदोलन प्रभावी राज्यों मसलन, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि में इन्होंने बेहद उत्साहजनक नतीजे दिखाए हैं। इस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी जबरदस्त तरीके से बढ़ रही है। साल 2024 के आंकड़े के अनुसार, इस साल तक रजिस्टर्ड हुए 810 एफपीओ ऐसे रहे, जिनकी प्रत्येक सदस्य सिर्फ महिलाएं हैं। बहरहाल एफपीओ के जरिए किसान अपनी उपज के बदले बेहतर कमाई कर पा रहे हैं। राजस्थान के पाली जिले की आदिवासी महिलाओं ने एक उत्पादक कंपनी का गठन किया और इसके माध्यम से उन्हें शरीफा/कस्टर्ड एप्पल के उच्च मूल्य प्राप्त हो रहे हैं। इन संगठनों के गठन के पीछे की अवधारणा बुनियादी रूप से किसानों के कल्याण पर केंद्रित है। इसके जरिए कृषि उत्पाद तैयार करने वाले किसान अपने लिए समूह बना सकें। शुरू में ही दस हजार संगठनों के गठन का असल मकसद, स्थायी आमदनी केंद्रित खेती-किसान और उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों की आय बढ़ाना है। इस योजना पर साल 2027-28 तक छह हजार 865 करोड़ रुपए के साथ शुरू किया गया था। सरकार इस योजना की सफलता को लेकर कितनी संजीदा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस योजना के तहत गठित हर नए एफपीओ को पांच साल तक हैंडहोल्डिंग समर्थन के साथ ही उन्हें तीन साल तक प्रबंधन खर्च के लिए 18 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही एफपीओ के प्रत्येक सदस्य किसान को दो हजार रुपए का प्रतिभूति अनुदान दिया जाएगा। जिसकी सीमा प्रति एफपीओ 15 लाख रुपये होगी। इसके साथ ही उन्हें संस्थागत ऋण सुनिश्चित करने के लिए हर एफपीओ को दो करोड़ रुपये तक के परियोजना ऋण की गारंटी सुविधा दी जा रही है। भारतीय किसानों की सबसे बड़ी समस्या उनकी पैदावार को सही जगह और खरीददार तक पहुंचाने के लिए व्यवस्थित प्रबंधन की कमी है। इसके साथ ही भारतीय खेती की जोत लगातार कम होती चली गई है। देश में औसत जोत का आकार साल 1970-71 में जहां 2.3 हेक्टेयर था, वह साल 2015-16 में घटकर महज 1.08 हेक्टेयर रह गया। इसी तरह खेती में छोटे और सीमांत किसानों की हिस्सेदारी साल 1980-81 के 70 प्रतिशत की तुलना बढ़कर साल 2015-16 में 86 फीसद हो गई। दरअसल घटती जोत और बढ़ती किसान हिस्सेदारी के चलते किसानों की आय या तो बढ़ नहीं रही या फिर घट रही है। ऐसे में एफपीओ किसानों के लिए वरदान बन कर सामने आए हैं। अब एफपीओ खेती की उपज, उनके बेहतर विपणन और सही जगह पर पहुंच के साथ ही खेती में नवाचार और विकास की दिशा में सहयोगी रूख अपना रहे हैं। इसका असर है कि एफपीओ के जरिए जहां खेती की उपज बढ़ रही है, एफपीओ छोटे, सीमांत और भूमिहीन किसानों को खेती के दौरान उन्हें प्रौद्योगिकी, गुणवत्तायुक्त बीज, खाद और कीटनाशकों की पहुंच सुनिश्चित करा रहा है।

राजनीति के आगे विकास के सपने ओझल!

अमिताभ श्रीवास्तव

कहीं शिवसेना के शिंदे गुट का टशन सामने आता है तो कहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता का लोलुप बताकर दूसरे दलों को डराया जाता है। इस अदृश्य राजनीतिक अस्थिरता का प्रभाव राज्य के विकास पर पड़ा है। लाख दावों के बावजूद पड़ोसी राज्य गुजरात, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और कर्नाटक औद्योगिक प्रगति में गंभीर चुनौती प्रस्तुत कर रहे हैं। निवेशकों को इन राज्यों को छोड़कर महाराष्ट्र में लाना टेढ़ी खीर हो चुकी है। जिसके लिए बहुत हद तक राजनीति जिम्मेदार है और वह उद्यमियों के मन में सवाल खड़ा करती है, जिसका उत्तर राज्य सरकार नहीं दे पाती है, क्योंकि वह परिस्थितियों के साथ चल रही है। करीब 11 साल पहले महाराष्ट्र सरकार की स्थितियों को याद किया जाए तो कांग्रेस के नेतृत्व की सरकार को अपने आलाकमान से आदेश मिलने पर मुख्यमंत्री को बदलना पड़ता था और कुछ मंत्री भी बदल जाते थे। इससे अधिक हर दिन की किसी चर्चा को बल नहीं मिलता था। सरकार अपने ढंग से काम करती रहती थी। वर्तमान दौर में कांग्रेस को छोड़ हर एक दल की चिंताएं हैं। विभाजित दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के शरद पवार और अजित पवार गुट के एक होने की चर्चा लगातार चलती रहती है। शिवसेना ठाकरे गुट के नेता उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के एक होने या नहीं हो पाने की बात को इन दिनों विशेष महत्व मिला है, क्योंकि उससे भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट के भविष्य पर प्रभाव पड़ सकता है। भाजपा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली बुलाने की बात को पार्टी नेतृत्व पर छोड़ दिया है। इस सब के बीच किस दल का नेता, कब और कहां दूसरे दल में शामिल होगा, कहा नहीं जा सकता है। यह सिलसिला पिछले कई सालों से चल रहा है। वर्ष 2014 में भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद से वर्ष 2019 में उद्धव ठाकरे सरकार बनने से लेकर शिंदे सरकार के बनने तक राज्य से अधिक नेताओं को स्वयं की चिंता अधिक दिख रही है। इसी कारण राज्य में विकास की गंभीर चर्चा गौण है। बेरोजगारी से लेकर औद्योगिक विकास को सही दिशा नहीं मिल रही है। दावों के लिए यदि कुछ नाम और आंकड़े मिलते हैं तो उनमें नयापन नहीं है। कोई नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित होता नहीं दिखता है। मुंबई, पुणे को छोड़ यदि कहीं बात आगे बढ़ती है तो वह दीर्घकालीन योजना की तरह ही दिखती है। पिछले ही माह राज्य विधानसभा में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण में वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था के 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया गया। जिसे देश की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत से अधिक बताया गया। मगर इसके पिछले साल 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत थी, जो उससे पहले के वर्ष 2022-23 में 6.8 प्रतिशत से अधिक थी। यदि इन सामान्य आंकड़ों को ही मिलाया जाए तो आने वाला वर्ष अनुमान में ही पीछे है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में सर्वाधिक योगदान देने का दावा करने के बावजूद प्रति व्यक्ति आय में राज्य काफी पीछे है। राज्य के आर्थिक सर्वेक्षण में वर्ष 2024-25 में प्रति व्यक्ति आय 3,09,340 रुपए अनुमानित है, जो पिछले साल की आय 2,78,681 रुपए से काफी अधिक है। मगर पिछले साल की तमिलनाडु की प्रति व्यक्ति आय 3,15,220 रुपए, कर्नाटक की प्रति व्यक्ति आय 3,32,926 रुपए और गुजरात की प्रति व्यक्ति आय 2,97,722 रुपए से कम है। ये सभी आंकड़े साबित करते हैं कि दावों और वास्तविकता में काफी अंतर है। राज्य में जल संकट से कृषि क्षेत्र बुरी तरह से प्रभावित है। इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव उद्योगों पर भी है। मगर अभी तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। राज्य सरकार अनेक बार 'वाटर ग्रिड' की संकल्पना को सामने ला रही है, किंतु उसके तैयार होने की कोई निर्धारित अवधि नहीं बताई गई है। आधारभूत संरचना में सड़कों में सुधार है, लेकिन लाभ हर जिले को नहीं है। इसी प्रकार राज्य में लगातार महंगी होती बिजली को सस्ता करने के सीधे रास्ते नहीं ढूंढे जा रहे हैं। जिसकी सीधी वजह आवश्यकता से कम उत्पादन और निजी क्षेत्र से बिजली खरीदना है। सौर ऊर्जा एक विकल्प है, लेकिन उसकी शुरुआती लागत तथा समायोजन सभी को राहत नहीं दे रहा है।

खेलो इंडिया में दिखेगा बिहार का दमखम

विकास के साथ जिस सर्व-समावेशिता की बात आज विश्व बैंक से संयुक्त राष्ट्र तक हर मंच पर होती है, उसके लिए हो रहे प्रयास देश के संघात्मक ढांचे की नई चमक को जाहिर कर रहे हैं। इस लिहाज से सबसे दिलचस्प है खेलों की दिशा में राज्यों का शानदार प्रदर्शन। जिस आयोजन की आज पूरे देश में चर्चा है, वह है खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025। इस बार यह अहम आयोजन न सिर्फ बिहार में हो रहा है बल्कि प्रदेश के पांच शहरों में इससे जुड़ी खेल प्रतियोगिताएं हो रही हैं। ये शहर हैं- पटना, राजगीर, भागलपुर, गया और बेगूसराय। बिहार जैसे सूबे में इतने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय खेल आयोजन के मायने गहरे और बहुस्तरीय हैं। कुछ दशक पहले तक बिहार जैसे राज्यों में शुमार होता था, जिसके विकास की संभावनाओं पर लगातार नकारात्मक तरीके से विचार किया गया। दरअसल, इस पूरे संदर्भ का आगाज 1980 के दशक में तब हुआ, जब जनसांख्यिकी और आर्थिक नीतियों के विश्लेषक आशीष बोस ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी को एक रिपोर्ट सौंपी। बोस ने इस रिपोर्ट में देश के चार बड़े राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्य बताया। पर बीते दशकों में यह स्थिति लगातार बदली है। इस दौरान विकास को लेकर इन राज्यों के विकास का नया चरित्र उभरा है। बात अकेले उस सूबे की करें जहां इस बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का मेगा आयोजन हो रहा तो यह इस सूबे की खेल संस्कृति और उस दिशा में हो रही प्रगति की ओर स्वभाविक तौर पर ध्यान ले जाता है। आज की तारीख में ऐतिहासिक विरासत, संस्कृति और बौद्धिक परंपराओं के लिए मशहूर बिहार खेल के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी में बिहार का दमखम खासतौर पर दिखा है। बिहार की दृष्टि से यह बड़ा बदलाव है। खेलों की मेजबानी में बिहार को प्राथमिकता मिलने के पीछे कई अहम कारण हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य की सरकार ने बीते दो दशकों में स्टेडियम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ट्रेनिंग सेंटर और आधुनिक खेल सुविधाओं के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया है। यही कारण है कि राजगीर को एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप की मेजबानी मिली। पटना का पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अब राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के लिए तैयार है। मुजफ्फरपुर, गया और भागलपुर में भी नए स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। खेलों के आयोजन से बिहार जैसे राज्य की अर्थव्यवस्था को बहुआयामी लाभ मिल रहा है। दरअसल, जब कहीं भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता आयोजित होती है, वहां हजारों खिलाड़ियों, कोच, आयोजकों और दर्शकों का आगमन होता है। इससे होटल, रेस्तरां, परिवहन, लोकल मार्केट और पर्यटन स्थलों को बढ़ावा मिलता है। हाल ही में पटना में आयोजित राष्ट्रीय खेल आयोजन के दौरान होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में 40 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे स्थानीय व्यापारियों को सीधा लाभ हुआ। खेल आयोजनों से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलता है। खेलों को बढ़ावा देने वाले राज्य में कॉरपोरेट कंपनियां, स्पॉन्सर और खेल ब्रांड निवेश करने के लिए आकर्षित होते हैं। बिहार में अब कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल ब्रांड अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं, जिससे खेल उपकरण उद्योग, प्रशिक्षण संस्थान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल राज्य की जीडीपी को मजबूती मिलेगी बल्कि युवाओं के लिए करियर के नए विकल्प खुलेंगे। राज्य में अब नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5585

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5584

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5585

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत के इस राज्य की सीमा एक ओर चीन से तथा दूसरी ओर पाकिस्तान से मिलती है (5)
4. साथ, मोहब्बत, संपर्क, मिलन (2)
6. भारतीय संगीत शास्त्र का आरंभ इस वेद इसमें कुल 1810 ऋचाएं थी (4)
7. फोटो, चित्र (3)
9. दहलीज, भाव, मूल्य, निर्ख (2)
10. उदास, रोगग्रस्त, अप्रसन्न (4)
12. वैमनस्य, खटपट, ठनाठनी (4)
15. ये मिथिलेश के नाती थे (4)
16. असाढ़ के दिनों में से एक (4)
17. मां की बहिन के पति का मालवी में यह कहते है (2)
18. झुककर प्रणाम करता हुआ (3)
19. हुक्म की तामील करना, आदेश मानने का भाव (3)

ऊपर से नीचे

1. अभिनेता अमजद खान के अभिनेता पिता (निधन 2 जून 1975) पुराणानुसार इंद्र और शची का एक पुत्र उपेंद्र का यह नाम था (3)
2. कटि, लपेट (3)
3. केमिकल, कमियागरी, रासायनिकी (4)
4. मनोवेग, स्पर्श, अनुभूति, सहभावना (4)
5. असफल विद्रोह, बगावत (3)
8. नार्डिक देशों में सबसे बड़ा देश जिसकी राजधानी स्टॉकहोम है (3)
10. अविराम, बिना रूके, लगातार (5)
11. भारत में पहली टेलिफिल्म के निर्देशक, भगवान शिव का एक नाम (3)
12. रंज, मलाल (4)
13. शक्तिशाली, ताकतवर (4)
14. निर्जन, वीराना, एकांत (4)
17. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु भोजन (2)

वर्ग पहेली 5584 का हल

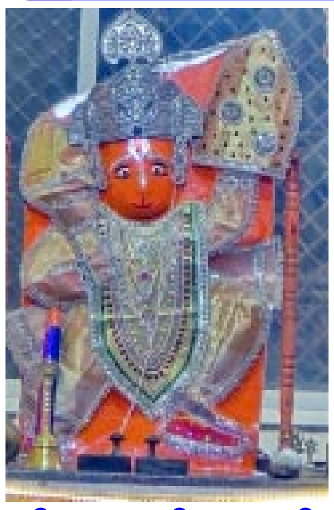

श्री उत्तरमुखी बालाजी मंदिर पर महाआरती व भण्डारा आज

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। श्री उत्तरमुखी बालाजी रामेश्वरम् महादेव मंदिर रामघाट प्रतापगढ रोड मंदसौर पर दो दिवसीय भव्य धार्मिक आयोजन के तहत आज 4 मई, रविवार को सायं 5 बजे महाआरती होगी उसके पश्चात् महाप्रसादी (भण्डारे) का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति अध्यक्ष कमलेश सिसोदिया ने बताया कि यह आयोजन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। महाप्रसादी में हजारों की संख्या में भक्त उपस्थित होकर प्रसाद लाभ लेते है। इस वर्ष भी उक्त दो दिवसीय आयोजन भव्य रूप से मनाया जा रहा है। श्री उत्तर मुखी बालाजी मंदिर सेवा समिति रामघाट द्वारा सभी भक्तों से महाआरती एवं भण्डारे में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

शिवना शुद्धिकरण में श्रमदानियों में दिखा गजब का उत्साह, जलकुम्भी व गंदगी साफ की

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर शुरु हुए शिवना शुद्धिकरण अभियान में मंदसौर ही नहीं आसपास क्षेत्र के नागरिक भी उत्साह के साथ भाग ले रहे है। तीसरे दिन दलौदा क्षेत्र के बडी संख्या में नागरिकों ने शिवना सफाई अभियान में सहभागिता कर 11 ट्राली शिवना नदी में फैली जलकुम्भी व गंदगी निकाली। शनिवार को श्रमदानियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। हर कोई मन में शिवना मैया के जल को साफ व स्वच्छ करने के लिये कटिबद्ध दिखाई दिया। विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि शिवना नदी होने के साथ-साथ आस्था का केन्द्र भी है। भगवान श्री पशुपतिनाथ के दरबार में आने वाले श्रद्धालु शिवना मैया को प्रणाम कर व यहां स्नान करते है। लेकिन जलकुंभी व गंदा पानी देखकर श्रद्धालुओं को निराशा होती है। लेकिन अब हम शिवना को साफ व स्वच्छ करके रहेंगे।

तीसरे दिन दलौदा क्षेत्र के अमित भण्डारी, मुकेश जगरावत, ललित जैन, जितेन्द्र पोरवाल, अभय मेहता, कमलेश जैन, जितेन्द्र गुगर, प्रवीण भण्डारी, नीतिन जैन, बंटी शर्मा, दीपक भण्डारी, अनिल भण्डारी (पम्प), राहुल डाबी, भंवरसिंह, शिशिर पटवा, अखिलेश जैन, विनोद जैन, रितिक पटवा, कार्तिक सोनी, मुन्ना बापू रेल, राजेश भण्डारी, अजय कैथवास, अमन जैन, कपिल सेन, महावीरसिंह भाटी, सुनील खिंचावत, डॉ. सोहनलाल धाकड, विकास धाकड, सार्थक वेलफेयर सोसायटी की उर्मिला तोमर, अनंत तारे, अमन पटेल, नरेन्द्र त्रिवेदी, विक्रमसिंह, लायंस क्लब डायनामिक की चित्रा मण्डलोई, पुष्पा चेलावत, उषा चौधरी, मनीषा सोनी, प्रीति रत्नावत, सुमित्रा चौधरी, नीता सौलंकी, सीमा जैन, हेमा लोढा, सीमा धनोतिया, दशपुर जागृति संगठन के सत्येन्द्रसिंह सोम, हरिशंकर शर्मा, समाजसेवी प्रकाश पालीवाल, महेश दुबे, राजू सतीदासानी, ओमप्रकाश चौधरी, टीम एवीएस के मनीष भावसार, आस्था भावसार, कांग्रेसजन सोमिल नाहटा, तरूण खिंची, डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, अनिल शर्मा, राजनारायण लाड, विनोद शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, सुनील बसेर, सुरेश शर्मा, बद्रीलाल धाकड, हिम्मत पोखरना, नवीन शर्मा, शैलेन्द्र बघेरवाल, शैलेन्द्र गोस्वामी, राजेश फरक्या, सुदर्शनसिंह शक्तावत, रमेश ब्रिजवानी, दशरथसिंह राठौर, अजय सोनी, नितेश सतीदासानी, रमेश सिंगार, संजय सोनी, संजय नाहर, राजेश चौधरी, साबिर इलेक्ट्रीशियन, मनोहर नाहटा, मनोज जैन, सादिकगौरी, राजेश खिंची, दिलीप देवडा, राकेश सेन, शैलेष माली, श्याम साल्वी, अभिषेक जैन, नंदकिशोर गोयल, घनश्याम भावसार, महिला नेत्री इष्ट भाचावत, अंजू तिवारी, रफत पयामी, सोनाली जैन, विद्या उपाध्याय, लीला पाटीदार, रिना बसेर, अनिता भदौरिया, योगिता बैरागी सहित बडी संख्या में गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे। मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि आज 4 मई, रविवार को प्रात: 7 से 9 बजे तक चलने वाले शिवना शुद्धिकरण अभियान में जांगडा पोरवाल समाज, म.प्र. श्रमजीवी पत्रकार संगठन, कई सामाजिक संगठन दो घण्टे श्रमदान करेंगे। सभी नागरिकगण इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता करें।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से मिला शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल...

विद्यालयों व उच्च शिक्षा की समस्याओं के समाधान की मांग

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला शाखा मंदसौर के शिक्षक सम्मान प्रकोष्ठ श्री अखिलेश मेहता और प्रांतीय सह मीडिया प्रभारी रामचंद्र लोहार ने बताया कि अभी हाल ही में एबीआरएसएम के प्रतिनिधि मण्डल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधिमंडल की भेंट की तथा विद्यालय एवं उच्च शिक्षा की समस्याओं के समाधान की मांग की।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान से नई दिल्ली में भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान विद्यालय शिक्षा, उच्च शिक्षा तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों से संबंधित समस्याओं पर मंत्री महोदय के समक्ष विस्तार से चर्चा की और तीन पृथक ज्ञापनों के माध्यम से उनके शीघ्र समाधान की मांग की। विद्यालयी शिक्षा से जुडे ज्ञापन में महासंघ ने देशभर में लाखों रिक्त पदों पर शिक्षकों एवं संस्था प्रमुखों की नियमित नियुक्ति की आवश्यकता को रेखांकित किया। साथ ही शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त रखते हुए मिड-डे मील जैसे कार्यों को स्वतंत्र एजेंसियों को सौंपने की मांग रखी गई। ज्ञापन में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, देश भर में समान वेतनमान और सेवा शर्तें लागू करने, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने, समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित करने, प्राथमिक शिक्षकों को विधान परिषद में मताधिकार देने तथा शिक्षा के व्यापारीकरण पर अंकुश लगाने जैसे महत्वपूर्ण बिंदु भी सम्मिलित थे। उच्च शिक्षा के संदर्भ में महासंघ ने हाल ही में यूजीसी द्वारा जारी उस परिपत्र को वापस लेने की मांग की, जिसमें एम.फिल./पीएचडी. की वेतन वृद्धियों को समाप्त करने का निर्देश दिया गया है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी रेखांकित किया कि देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान आधारभूत सुविधाओ की भारी कमी से जूझ रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन बाधित हो रहा है। 2025 के ड्राफ्ट रेगुलेशन की गंभीर विसंगतियों पर महासंघ द्वारा दिए गए पूर्व में दिये ज्ञापन पर कार्रवाई की मांग वार्ता में की गई। ज्ञापन में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की बहाली, सेवारत शिक्षकों को पीएचडी. में प्राथमिकता, अंडरग्रेजुएट महाविद्यालयों को रिसर्च सेंटर की मान्यता, और कॉमन यूनिवर्सिटी एक्ट जैसे मसलों पर केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों को भी सी एस आर फंडिंग के लिए आई आई टी की भांति पात्र घोषित किया जाए ताकि नवाचार, शोध और परियोजना विकास को बल मिल सके। साथ ही, सेवानिवृत्त शिक्षकों को सीजीएचएस के तहत चिकित्सा सुविधा देने और पहले से स्वीकृत लेकिन लंबित करियर एडवांसमेंट योजना को लागू करने की मांग की गई। शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने तीनों ज्ञापनों की विषयवस्तु को गंभीरतापूर्वक सुना और प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्रस्तुत की गई समस्याओं और सुझावों पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल में महासंघ के अध्यक्ष प्रो. नारायणलाल गुप्ता, महामंत्री प्रो. गीता भट्ट, संगठन मंत्री श्री महेन्द्र कपूर, सह संगठन मंत्री श्री जी. लक्ष्मण, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री महेन्द्र कुमार, विद्यालय शिक्षा प्रभारी श्री शिवानंद सिंदनकेरा, एनआईओटी कार्य प्रमुख प्रो. एम. के. श्रीमाली, अतिरिक्त महामंत्री श्री अरविंदो महतो एवं श्री मोहन पुरोहित शामिल थे। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला शाखा मंदसौर के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और सचिव ने एबीआरएसएम के प्रतिनिधि का आभार व्यक्त किया।

इंटक का स्थापना दिवस मनाया

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। 3 मई को इंटक का स्थापना दिवस मंदसौर नगर के श्रम शिविर इंटक कार्यालय अफीम गोदाम रोड़ पर बनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। प्रारंभ में वैष्णव जन भजन गोपाल गुरू ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खूबचंद्र शर्मा ने कहा कि वर्तमान सरकारों की श्रमीक विरोधी नीतियां चिंता का कारण है। आपने आव्हन किया कि हमें श्रमिक विरोधी नीतियों के विरूद्ध संघर्ष को तेज करना होगा, ताकि श्रमिकों को उनका हक मिल सके।

कार्यक्रम को युवा इंटक मंदसौर के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमावत ने संबोधित करते हुए कहा कि इंटक की स्थापना महात्मा गांधीजी एवं सरदार पटेल की उपस्थिति में श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिये की गई थी। आपने वर्तमान समय में बेरोजगारी और रोजगार में अस्थिरता कों लेकर अफसोस जताया। आपने कहा कि आज स्थिति यह है कि एक इंजीनियर को भी दैनिक वेतन भोगी के रूप में 15000 रूपये से कम वेतन में काम करने को मजबूर होना पड़ा रहा है। आपने युवाओं से आव्हन किया कि श्रमिकों के हितों को अपने संघर्ष द्वारा सुरक्षा प्रदान करें। इस अवसर पर डी एस चन्द्रावत, विक्रम विद्यार्थी, गोपाल गुरुजी, सुनिल गुप्ता, मधु कडावत, रूपल संचेती आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विरेन्द्र पंडित, योगिता बैरागी, अनिता भदौरिया, श्रीमती राखी सत्रावाला, श्रीमती सरोजसिंह, कुमकुम सिसोदिया, जगदीश जटिया, दुर्गेश चंदेल, डॉ किशोरसिंह सिसोदिया, आशाराम कुमावत, हरिश पाटीदार, कृष्णपालसिंह पंवार, कन्हैयालाल कुमावत, बाबुलाल शर्मा, मुन्नालाल कुमावत आदि उपस्थित थें।

एक भी बच्चा टीकाकरण से न रहे वंचित

यूनिसेफ के सहयोग से मध्य प्रदेश वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन द्वारा धर्मगुरुओ का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। जीरो डोज़ कार्यक्रम के तहत जीरो डोज बचो तक टीकाकरण की पहुँच सुनिश्चित करने हेतु मंदसौर जिले के ब्लॉक भानपुरा में यूनिसेफ के सहयोग से मध्य प्रदेश वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन इंदौर द्वारा एक दिवसीय धर्मगुरुओ का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजन किया गाया। कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक नेतृत्व को स्वास्थ्य अभियान से जोड़ते हुए समुदाय में टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

इस अवसर पर जिला समन्वयक शमील चौहान द्वारा जीरो डोज़ परियोजना की विस्तृत जानकारी देते हुए आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी धर्म गुरुओं को कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए बताया गया कि हमारे क्षेत्र में कई बचें ऐसे है जो किसी कारणवश किसी भी प्रकार का टीका नहीं लगवा पाए है, उनको टीकाकरण की सेवाओं से जोड़ने हेतु समाज में जागरूकता लाकर उन्हें नियमित टीकाकरण सेवाओं से जोड़ना। साथ ही प्रजेंटेशन के माध्यम से इस परियोजना में धर्म गुरुओं की क्या भूमिका रहेगी व कैसे समुदाय के लोगों के मन से बच्चों का टीकाकरण के प्रति भ्रांतियों व डर को दूर किया जा सकता हैं। इस बारे में धर्म गुरुओं को जानकारी दी गयी। ब्लॉक सेक्टर सुपरवाइजर संतोष जोशी द्वारा उपस्थित धर्म गुरुओं को धार्मिक स्थल, भजन, मंडली व कथा आदि के माध्यम से भी लोगों को 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण करवाने हेतु जागरूकता लाने का संदेश प्रदान करने के लिए आग्रह किया गया। जिस पर धर्म गुरुओ ने इस पहल का स्वागत करते हुए आश्वाशन दिया कि वे अपने-अपने समुदायो मे लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित धर्म गुरुओं ने बताया कि कैसे टीकाकरण को और सक्रिय कर सकते है इस हेतु अपनी-अपनी बात रखी गयी। सभी ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि वे अपने प्रवचनों और सामाजिक आयोजनो के माध्यम से टीकाकरण सन्देश को जन-जन तक पहुंचाएंगे, जिससे समुदाय में एक भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह सके। इस अवसर पर ब्लॉक सेक्टर सुपरवाइजर संतोष जोशी, ब्लॉक बी.डी.ई.ओ मनसुख चंदचौरिया, जिला समन्वयक शमील चौहान, ब्लॉक समन्वयक नरेंद्र कुमार मेहर व धर्म गुरु उपस्थित रहें।

पाकिस्तान से आयात-निर्यात पूरी तरह से कर दिया बंद

नई दिल्ली, 03 मई। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ होने वाले इंपोर्ट-एक्सपोर्ट को पूर्ण रूप से रोक दिया है। इस आदेश के बाद से अब कोई भी चीज न तो पाकिस्तान जाएगी और न ही पाकिस्तान से आएगी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि अब पाकिस्तान के साथ आयात-निर्यात प्रतिबंध कर दिया गया है।

बता दें, भारत ने पहले डायरेक्ट ट्रेड बंद किया था और अब इनडायरेक्ट ट्रेड भी बंद कर दिया है। पाकिस्तान पर ये गहरी चोट है। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय अब उन चीजों की लिस्ट बना राह है, जो अब पाकिस्तान से आयात-निर्यात नहीं किया जाएगा।

वाणिज्य मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना-वाणिज्य मंत्रालय ने अधिसूचना जारी करके इस बारे में जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में फैसला लिया गया है। इस आदेश के बाद पाकिस्तान के साथ आने वाले उत्पाद जो सीधे आयात होते हो या फिर तीसरे देश के जरिए इनडायरेक्ट रूप से इन सभी आयातों पर पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बता दें, भारत सरकार द्वारा लगाया गया ये प्रतिबंध विदेश व्यापार नीति- 2023 में नए प्रावधान के रूप में जोड़ी गई है।

आतंकियों ने चुन-चुनकर हिंदुओं को मारा-कश्मीर घाटी के पहलगाम में पिछले महीने आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया था। आतंकियों ने 26 पर्यटकों को टारगेट करके गोली मार दी थी। आतंकियों ने पहले पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और बाद में पैंट उतरवाकर उनका धर्म चेक किया। आतंकियों को जब पुख्ता हो गया कि पर्यटक हिंदू ही है तो उन्होंने उसे गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। ऐसे कर-करके आतंकियों ने 26 हिंदुओं को टारगेट करके मार डाला। पर्यटकों से आतंकियों ने कलमा और अजान तक सुनाने के लिए कहा था।

जिला जैल में विशेष स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

नीमच, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। म.प्र.उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति खण्डपीठ जबलपुर के निर्देशानुसार आज जिला जैल कनावटी नीमच में विशेष मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। विशेष मेडिकल कैंप में जिला चिकित्सालय नीमच व सकलेचा मेडिकल कॉलेज नीमच से डॉ. हंसराज परमार एस.आर.मेडिसिन विभाग, डॉ.अपूर्वा चौहान जनरल सर्जरी विभाग, डॉ. अगुरबाला पाटीदार एस.आर. ग्यनिक विभाग, डॉ.अरविन्द गुप्ता एसआर ईएनटी, डॉ.प्रवीण पांचाल दंत चिकित्सा अधिकारी, डॉ. कृष्णा कुमार कारपेन्टर ए.पी. मानसिक रोग विभाग, डॉ. मनीष पाटीदार एस.आर.अस्थि रोग विभाग, डॉ.अनुश्री प्रधान डीआरपी नैत्र रोग विभाग, डॉ.एस.एम. मिनातुल्लह एस.आर.शिशु रोग विभाग, श्री नंदकिशोर एफ.एम.जी इंटरन, श्री नीरज डांगी एफ.एम.जी इंटरन, श्री दिनेश कारपेन्टर लैबटेक्नीशियन, श्री अली अजगर एस.टी.एस व श्री दिलीप शर्मा एस.टी.एल.एस उपस्थित रहे। मेडिकल टीम द्वारा जेल में परिरूद्ध करीब 489 पुरूष व महिला बंदियों की विभिन्न प्रकार की जांच की गई तथा उपचार प्रदान किया गया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक व्हाय.के. मांझी, जेल चिकित्सक डॉ. अजीतसिंह शक्तावत एवं अन्य जेलकर्मी भी उपस्थित थे।

नि:शुल्क सनातन सर्व वर्ग सामूहिक विवाह सम्मेलन 5 को

नीमच, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। अन्नपूर्णा सेवा न्यास द्वारा नि:शुल्क सनानत सर्ववर्ग सामूहिक विवाह का आयोजन 5 मई को किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। सम्मेलन में 11 गरीब कन्याओं के हाथ पीले होंगे। अन्नपूर्णा सेवा न्यास के संयोजक व पूर्व नाध्यक्ष राकेश पप्पू जैन ने बताया कि 'हमारा उद्देश्य समाज के उन वंचित वर्गों की मदद करना है जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों और बेटों का विवाह करने में कठिनाई महसूस करते हैं। यह सामूहिक विवाह सम्मेलन न केवल एक आयोजन है, बल्कि सामाजिक समरसता और सहयोग का प्रतीक भी है।' श्री जैन ने बताया कि सम्मेलन में ग्यारह जोड़ों के विवाह संपन्न कराया जाएगा और सभी जोड़ों को वस्त्र, आभूषण, और गृहस्थी के लिए जरूरी सामान न्यास की ओर से उपहार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे। सम्मेलन का आयोजन नीमच के वात्सल्य भवन में शुभ मुहूर्त के अनुसार किया जाएगा। सेवा न्यास के अध्यक्ष श्रीराम गोडबोले और सचिव प्रकाश मंडवारिया ने बताया कि सम्मेलन की सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए करें आवेदन

नीमच, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी शासकीय एवं निजी आईटीआई में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रकिया एक से 31 मई 2025 तक प्रारंभ हो गई है। प्रवेश के ईच्छुक आवेदक इन्टरनेट के माध्यम से या ऑनलाइन सहायता केन्द्रो से डीएसडी पोर्टल पर अपना रजिशट्रेशन कर सकते है। रजिशट्रेशन मे त्रुटि सुधार 10 से 31 मई 2025 तक इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता का क्रम चयन कर सकते है। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जावद में 10वीं कक्षा उत्तीर्ण प्रतिभागी व्यवसाय (ट्रेड) इलेक्ट्रिशियन, फिटर, कोपा, मेकेनिक मोटर व्हीकल एवं इन्स्ट्रूमेंट मेकेनिक तथा वेल्डर, के लिए योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदन कर सकते है। कोई आवेदक तकनीकी व्यवसायिक शिक्षा में प्रशिक्षण लेने हेतु रूचि रखता है तो वह इस अवसर का लाभ ले सके। अधिक जानकारी हेतु रूपारेल जावद स्थित संस्था में उपस्थित होकर हेल्प डेस्क पर सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला ब्राह्मण समाज ने आदि शंकराचार्य जयंती मनाई

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला ब्राह्मण समाज द्वारा शंकराचार्य जयंती मनाई गई। जिलाध्यक्ष पं. दिलीप दुबे ने बताया की आदि शंकराचार्य जयंती ब्राह्मण समाज द्वारा मनाई गई । सभी समाज बंधु प्रात: 10 बजे पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे तथा गर्भगृह परिसर में विराजित आदि शंकराचार्य जी की प्रतिमा का पूजन अर्चन कर अभिषेक किया तथा माल्यार्पण कर सभी बंधुओ द्वारा आरती कर जयंती मनाई गई तथा आरती पश्चात प्रसाद वितरण की गई। इस अवसर पर आदि गुरु शंकराचार्य के जीवन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. क्षितिज पुरोहित ने कहा की आदिगुरु शंकराचार्य अत्यंत बाल्यावस्था में ही दक्षिण भारत से अपने गुरु की खोज और ज्ञान की प्राप्ति के लिए ओंकारेश्वर आ गए थे जहां उन्हें कड़ी तपस्या के पश्चात गुरु और ज्ञान की प्राप्ति हुई। डॉ.क्षितिज ने बताया कि मात्र 32 वर्ष की आयु में आदि गुरु शंकराचार्य ने पूरे देश का पैदल भ्रमण करते हुए चार पीठ स्थापित किया जो सदियों से भारत की सनातन संस्कृति की लौ को प्रज्वलित किए हुए हैं। श्री पुरोहित ने कहा कि आदिगुरु शंकराचार्य जी ने चारों मठों को स्थापित की और उनके संचालन हेतु जिस तरह की पद्धति प्रदान की वह संपूर्ण देश को एक सूत्र में जोड़ने की भावना से अभिप्रेरित होकर हम सबके सामने उदाहरण के रूप में प्रस्तुत है। उन्होंने बताया कि जब आदिगुरु शंकराचार्य ओंकारेश्वर में जब अपनी तपस्या कर रहे थे उसे दौरान मां नर्मदा के उफान पर आने के बाद उन्होंने मां नर्मदा के किनारे खड़े होकर तत्काल एक नर्मदा स्तवन की रचना की और उनके स्तवन से मां नर्मदा का उफान सामान्य रूप में आ गया। ऐसे भगवान आदि शंकराचार्य जी की 108 फीट की प्रतिमा ओंकारेश्वर में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा स्थापित की गई है जो अद्भुत और दर्शनीय है। आज पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य जी की जयंती पर कोटि-कोटि प्रणाम। कार्यक्रम में पं. सुनील व्यास ने भी अपने विचार रखते हुए आदि शंकराचार्य जी के चारो मठों के बारे में विस्तार से समाज बंधुओं को अवगत कराया। पं. दिलीप दुबे, क्षितिज पुरोहित, सुनील व्यास, अनिल ओझा, ब्रजेश बिरथरे, नरेंद्र शर्मा, कमलेश नागदा, कपिल परालिया, दीपेश तिवारी, राकेश भट्ट, कैलाश भट्ट, सुनील पंचारिया, राजेश शुक्ला, गौरव शर्मा, आचार्यजी, सहित कई ब्राह्मण समाज के बंधु उपस्थित थे। उक्त जानकारी सुनील पंचारिया ने दी।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह आज

पिपलियामंडी, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। राम जानकी मंदिर खोखरा गांव में मूर्ति स्थापना व प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत आयोजित चार दिनी कार्यक्रम का समापन 4 मई को होगा। ग्रामवासियों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्राण-प्रतिष्ठा, कलश स्थापना, पूर्णाहुति व महाआरती होगी। कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरु होगा।

प्रतिभागियों के नामांकन ऑनलाईन आमंत्रित

नीमच, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। विगत वर्षो की भांति वर्तमान वर्ष में भी म.प्र.शासन गृह विभाग द्वारा निर्मित अवार्डस पोर्टल, www.padmawards.mp.gov.in पर जिला स्तर से पदम पुरस्कारों हेतु योग्य व्यक्तियों के नामांकन ऑनलाईन ही प्रेषित किए जाने है। अवार्डस पोर्टल पर ऑनलाईन नामांकन दर्ज करने हेतु अतिरिक्त किसी भी प्रकार के तकनीकी सहयोग हेतु विभागीय ई-मेल dysecy.homec12x/mp.gov.in Ed§ tiwari.vineet1/mp.gov.in पर एवं जिला स्तर पर सहयोग के लिए जिला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी जिला नीमच में संपर्क किया जा सकता है। पदम पुरस्कार हेतु प्रतिभागियों का चयन कर, उनके नामांकन एवं आवश्यक दस्तावेज एनआईसी नीमच के माध्यम से गृह विभाग के ऑनलाईन पोर्टल पर 30 जून 2025 तक प्रेषित किए जा सकेंगे। समयावधि पश्चात प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जावेगा।

समसामयिक चिन्तन...

कुछ अलग करने के लिए फूहड़ता क्यों...सोशल मीडिया?

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। 15, फरवरी, 25 को इंडियाज़ गॉट लेटेंट नामक यू ट्यूब शो के बाद यू ट्यूबर रणवीर इलाहाबादियां, समय रैना और अपूर्वा मखीजा पर उठे विवादों के बाद एक बार फिर कहा जा रहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर कुछ भी कहा और सुना नहीं जा सकता। हज़ारों नहीं लाखों लोगों ने गालियों और लैंगिक फब्तियों से भरे इस वीडियो को हास्य बताकर देखा, और साझा (शेयर) किया। यह और इस तरह के अनेक वीडियो समाज के कड़े विरोध के बाद यू ट्यूब से हटा लिए गए हैं। फ़िर भी यह सवाल उठता है की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आखिर लक्ष्मण रेखा क्या हो?

आइए इस पूरे प्रकरण को समझने के लिए क्यों न थोड़ी सी पड़ताल कर ली जाए। पहले पहल सोशल मीडिया पर कुछ अलग करने के नाम पर गुरसिमन खंबा, तन्मय भट्ट, रोशन जोशी और आशीष शाक्य जैसे कुछ युवाओं का दिमाग़ था। इन लोगों द्वारा इसकी शुरूआत पॉड्कास्ट (जिसे डिजिटल टेलीकॉस्ट भी कहा जाता है) के रूप में किया। फण्ड रेज़ (पैसा कमाने) के लिए इन्होंने पॉडकास्ट की जगह यू ट्यूब को अपनी आश्रय स्थली बना लिया। 2फ़रवरी, 2013 को कॉमेडी ग्रुप एआईबी ने अपने यूट्यूब चैनल पर अपना पहला वीडियो अपलोड किया था, जिसमें अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए बीच-बीच में गालियां दी जा रही थीं। उस समय आठ लाख से अधिक लोगों ने इसे देखा और साझा किया। इसी दौर में हल्की फुल्की कॉमेडी के नाम पर स्वर साम्राज्ञी और संगीत के क्षेत्र में साक्षात् सरस्वती माने जाने वाली लता मंगेशकर तथा क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर पर भी अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए एक वीडियो बनाया गया था।

वर्ष 2015 में पहला विवादित शो एआईबी पर बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्मकार करण जौहर ने होस्ट किया था जिसमें उनके साथ अर्जुन कपूर, रणवीर भी थे। मनोरंजन और हंसाने के नाम पर इस शो में जबर्दस्त अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था। एआईबी रोस्ट के इस वीडियो ने तत्कालीन समय यूट्यूब पर धमाल मचा दी थी, अपलोड होने के कुछ ही घंटों में इसे सुनने और देखने वालों की संख्या लाखों में पहुंच गई थी। आठ लाख से यह संख्या बढ़कर चालीस लाख को पार कर गई। मुम्बई में इस एपिसोड की शुटिंग के दौरान चार हजार से ज्यादा लोग प्रत्यक्षदर्शी थे। सेंसर बोर्ड के तत्कालीन सदस्य अशोक पण्डित सहित कई दिग्गजों ने इस पर अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज की थी, जिस आधार पर एक प्राथमिकी पुणे के एक पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई। बाद में दक्षिण मुम्बई स्थित तारदेव पुलिस स्टेशन में शो के होस्ट तथा प्रतिभागियों सहित कुल चौदह लोगों पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 294, 509, 120बी धारा 34 तथा सूचना प्रौद्योगिकी कानून के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। एआईबी रोस्ट ने उस समय अपनी सफाई में कहा था की रोस्ट एक हंसने हंसाने की विधा है। फिल्मकार करण जौहर तथा अन्य सभी ने इस विषय में कई लोगों से माफ़ी थी तथा प्रकरण को वापस लेने की गुहार लगाई तथा बाद में इस वीडियो को डिलीट (हटा दिया) कर दिया गया था।

यूट्यूब और डिजिटल मीडिया पर अभद्र भाषा और गाली गलौज से भरी इस प्रकार की सामग्री प्रसारण (अपलोड) करने पर उन दिनों काफी चर्चाएं हुई। भारतवर्ष दुनिया का एकमात्र ऐसा राष्ट्र है जहां संस्कृति की प्राचीन धारा निरन्तर बहती आ रही है। अपनी प्राचीन संस्कृति की निरन्तरता, शक्ति और ओज के उपरान्त भी हमने नवीनता और आधुनिकता का कभी भी तिरस्कार और उपेक्षा नहीं की है। इस चिर पुरातन, चिर नवीन संस्कृति ने परिस्थितियों के अनुरूप अपने आपको ढाला है, लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि ऐसे कार्यक्रम बनाएं ही क्यों जाएं? एआईबी रोस्ट में, मैं ह्यूमर (हास्य व्यंग्य), साहस और एडल्ट कॉमेडी के नाम समाज का शिकार होना कतई पसंद नहीं करता।(बहुसंख्यक भी इस समर्थन में रहेंगे)। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर किए जा रहे ऐसे दुस्साहस पूर्ण कृत्य आने वाले दिनों में समाज और राज व्यवस्था के लिए खतरे के बहुत बड़े संकेत हैं।

डॉ. रवींद्र कुमार सोहोनी

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	55	2000	2220
उडद	18	4700	5812
सोयाबीन	3172	3951	4395
गैहु	6000	2380	2950
चना	288	5200	5671
मसुर	59	6052	6262
धनिया	70	5950	7051
लहसुन	13000	3000	9000
मैथी	638	3699	5300
मुंगफली	315	4403	5060
अलसी	1329	6500	7415
सरसो	280	5421	5936
तारामीरा	13	5000	5200
इसबगोल	72	8485	12001
प्याज	2256	300	857
कलोंजी	16	12400	20201
तुलसी बीज	0000	0000	0000
डॉलर	27	6670	8381
तिल्ली	1	8000	8000
जौ	10	2300	2461
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	82	6300	6750
चियाबीज	56	9000	13950

नमकीन की दुकान का ताला काटकर नकदी ले उड़ा चोर

सीसीटीवी में कैद, पहले हुई चोरियों का भी नही हुआ खुलासा

पिपलियामंडी, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। नमकीन की दुकान का ताला काटकर चोर गल्ले में रखे 10 हजार नकदी चोरी कर ले गया। सूचना पर पुलिस पहुंची व पंचनामा बनाया। दुकान के पास लगे सीसीटीवी में एक चोर कैद हुआ है। जानकारी के अनुसार नगर के व्यस्तम मनासा मार्ग, सिंधिया काम्लेक्स के निकट स्थित मून्दड़ा नमकीन पर रात्रि में चोरी की वारदात हुई। दुकान संचालक गोपाल मून्दड़ा सुबह दुकान पहुंचे तो दुकान का ताला कटा हुआ था व शटर खुला था। मून्दड़ा ने इसकी सूचना पर डॉयल 100 पर दी। पुलिस मौके पहुंची व पंचनामा बनाया। पुलिस चौकी में दर्ज शिकायत में मून्दड़ा ने बताया रात्रि 2.30 बजे करीब सीसीटीवी में टोपी पहने एक चोर कैद हुआ है, जिसने ताला काटकर गल्ले में रखी नकदी चोरी की व दुकान में रखा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया।

एक सप्ताह में दूसरी चोरी:-नगर में सप्ताह में यह दूसरी चोरी की घटना है। 26 अप्रेल को भी गायत्री शक्तिपीठ पर निवासरत विजय पिता कैलाश शर्मा के मकान का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपए के जेवर चोरी कर ले गए थे। विजय शादी में गए थे, इसी दौरान चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया था।

दो माह पूर्व भी हुई थी बड़ी चोरी:- मून्दड़ा नमकीन के निकट ही किराना व्यापारी अर्पित पिता हेमन्त पीतलिया परिवार के सहित शादी में गए थे। इस दौरान 6 फरवरी 2025 की रात्रि में चोर ताला तोड़कर घुसे थे और 6 लाख रुपए नकदी व 1 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए थे। मामले का अभी तक खुलासा नही हो पाया।

एक वर्ष में हुई दो बड़ी चोरियों का भी खुलासा नही:-नगर में पुलिस चौकी के निकट स्टेशन बालाजी मंदिर के पीछे 5 मई 2024 को उमेश मोदी के घर में घुसकर चोर करीब 10 लाख के जेवर चोरी कर ले गए थे, सीसीटीवी में भी चोर कैद हुए मामले को लेकर फरियादी ने कई बार सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की। वहीं 7 जनवरी 2025 को चोकी क्षेत्र के गांव लसुड़िया राठौर में चोर शैलेन्द्रसिंह पिता दिलीपसिंह राजपूत के मकान का ताला तोड 10 लाख के जेवर व 30 हजार नकदी चोरी कर ले गए थे। दोनों बड़ी चोरियों के मामले में पुलिस अभी तक आरोपियों को नही पकड़ पाई।

खुलासा करेंगे:- पिपलियामंडी चौकी प्रभारी धर्मेश यादव ने बताया कुछ दिनों पूर्व ही ज्वाइन हुआ हूं, हाल में हुई चोरियों के साथ ही पुरानी चोरियों का भी शीघ्र ही खुलासा किया जाएगा।

रिमाण्ड अवधि के बाद आरोपी को भेजा जैल

पिपलियामंडी, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। डोडाचूरा तस्करी में धराए आरोपी को रिमाण्ड अविध समाप्त होने के बाद कोर्ट ने जेल भेजने के आदेश दिए। आरोपी जिस व्यक्ति से डोडाचूरा लाया था, उसे भी पुलिस ने आरोपी बनाया है, जो फरार है। जानकारी के अनुसार 1 मई को पिपलिया पुलिस पिपलिया-सनावदा मार्ग पर सूपड़ा फन्टे पर 30 किलो डोडाचूरा ले जाते बाइक (आरजे 35 एसके 7149) पर सवार रठाजना (प्रतापगढ) निवासी अरुण (35) पिता रामचन्द्र गायरी को गिरफ्तार किया था। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश करने पर एक दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश हुए थे। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह उक्त डोडूचूरा कनोरा (रठाजना) निवासी कारुलाल पिता भंवरलाल गायरी से लाया था, बाद में वह कारुलाल के परिचित व्यक्ति को जयपुर रेलवे स्टेशन पर देने के लिए जा रहा था। कारुलाल को भी पुलिस ने आरोपी बनाया है, जो फरार है। इधर रिमाण्ड अवधि समाप्त होने पर शनिवार को आरोपी को पुन: एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया जिसे जेल भेजने के आदेश हुए।

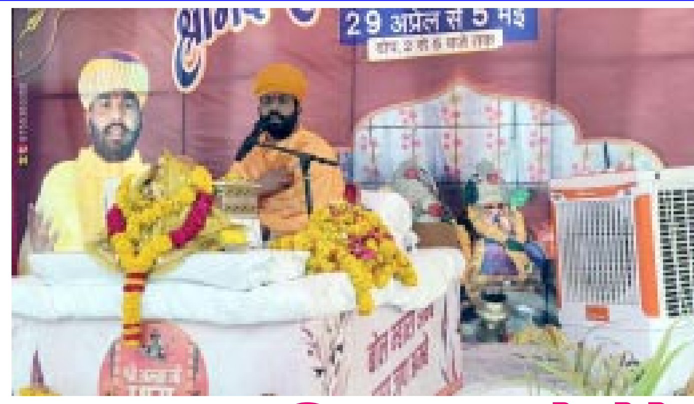

हर माता-पिता अपने बेटे को राम कृष्ण और श्रवण कुमार के रुप में देखते हैं-गुरूदेव अंबाजीधाम

नगरी, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। वर्तमान समय में हर भारतवासी को अपनी सनातन संस्कृति का संरक्षण करते हुए धर्म की रक्षा के लिए आगे आना चाहिएं आज के युवा युवतियों को तिलक लगाने, सतसंग में बैठने में झिझक महसूस होती है सनातन धर्म सृष्टि का आधार हैं मानव जीवन की सफलता का मार्ग हमारा सनातन धर्म है। उक्त विचार नगर के रोग्यादेवी मंदिर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद देवी भागवत महापुराण कथा के पांचवे दिन उपस्थित भक्तजनों को संबोधित करते हुए गुरुदेव अंबाजी धाम निपानिया ने कहीं गुरुदेव ने आगे कहा कि जो बच्चों भौतिक सुख सुविधाओं के वशीभूत होकर अपने माता पिता का बटवारा करते हैं, वो जीवन में कभी भी सुख समृद्धि प्राप्त नहीं कर सकते हैं। हर माता पिता अपने बेटे को राम, कृष्ण और श्रवण कुमार के रूप में देखना पसंद करते हैं जिसे माता पिता का आशिर्वाद मिलता है तथा जिस बेटे बेटी को उसके माता-पिता अगले जन्म में भी पाने की इच्छा रखते हैं ऐसे बेटे को किसी तीर्थ यात्रा की जरूरत नहीं पड़ती है क्योंकि माता-पिता के आशीर्वाद में ही सारे तीर्थ का पुण्य छुपा हुआ रहता है। श्री अंबाजी धाम ने कहा कि श्रीमद देवी भागवत महापुराण के अनुसार माता सती हुई और जहाँ जहाँ माता के विभिन्न अंग गिरे वह शक्तिपीठ बने हुए हैं शास्त्रों के अनुसार माता सती के 51 शक्तिपीठ भारत सहित आसपास के देशों में विद्यमान हैं सात दिवसीय धार्मिक आयोजन के तहत कल सोमवार को श्रीशत चंडीय महायज्ञ पूर्णाहुति एवं भंडारे का आयोजन होगा।

आज लगेगा दिव्य दरबार, भक्तों की समस्याओं का होगा समाधान–रोग्यादेवी मंदिर परिसर में आज रविवार रात्रि 8:00 बजे गुरुदेव अंबाजी धाम निपानिया द्वारा दिव्य दरबार लगाया जाएगा दिव्य दरबार में पर्चे बनाकर भक्तों की समस्याओं का समाधान गुरुदेव द्वारा किया जाएगा। दिव्य दरबार में नगरी सहित आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति की संभावना को देखते हुए आयोजन समिति द्वारा व्यापक तैयारियां की गई है। नगर में बस स्टैंड के पास नवनिर्मित श्री शिव शक्ति पशुपतिनाथ मंदिर में अष्टमुखी भगवान पशुपति नाथ की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान के साथ संपन्न हुई साथ ही भगवान राम लक्ष्मण एवं माता जानकी सहित अन्य प्रतिमाओं की भी प्राण प्रतिष्ठा की गई। तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में जलकलश यात्रा के साथ पंचकुंडीय महायज्ञ का भी आयोजन किया गया। रात्रि में परम पूज्य महंत स्वामी मणिमहेश चेतन्य महाराज द्वारा शिव महापुराण कथा का भी वाचन किया गया। शुक्रवार को शिव पार्वती विवाह का आयोजन भी हुआ बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

एक ने दुष्कर्म किया, फिर भी सभी को मिलेगी सजा- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 03 मई। सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ ने गैंगरैप (धारा 376(2)(Ô) आईपीसी) के एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि साझा इरादा सिद्ध हो जाए, तो केवल एक आरोपी द्वारा दुष्कर्म का कृत्य करने पर भी सभी शामिल व्यक्तियों को गैंगरैप के लिए दोषी ठहराया जा सकता है।

यह टिप्पणी मध्य प्रदेश के 2004 के एक महिला किडनैपिंग एवं गैंगरैप मामले में की गई, जिसमें दो आरोपियों राजू व जलंधर कोल पर मुकदमा था। घटना 2004 जून में एक विवाह समारोह से लौट रही महिला का अपहरण कर, उसे विभिन्न स्थानों पर अवैध बंदी बनाकर गैंगरैप करने की थी। पीडिता ने बताया कि आरोपियों ने साझा मंशा से यह अपराध किया। ट्रायल कोर्ट ने दोनों आरोपियों को गैंगरैप, अपहरण और अवैध बंदीकरण के आरोप में दोषी ठहराते हुए राजू को आजीवन कारावास, और जलंधर कोल को 10 वर्ष कैद की सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को अपरिवर्तित रखा। इसके बाद राजू ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते हुए कहा, आईपीसी की धारा 376(2)(Ô) में एक से अधिक ने साझा इरादे से अपराध में भाग लिया हो, तो यह साबित करने की आवश्यकता नहीं कि प्रत्येक व्यक्ति ने दुष्कर्म किया; एक आरोपी द्वारा किया गया दुष्कर्म सभी को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त है। कोर्ट ने राजू की अपील खारिज कर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का निर्णय बरकरार रखा। इस फैसले से स्पष्ट हो गया है कि सामूहिक अपराध में व्यक्तिगत कृत्य से अधिक साझा इरादे का महत्व है, जिससे कानून अपराधियों के समूहीय गिरोह पर भी सख्ती से कार्रवाई कर सकेगा।

श्रीराम चरित्र मानस वेदों का सार है-पं. शर्मा

नीमच, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। संसार को मार्ग चार वेद देते हैं। चारों वेदों से ही सत्संग के धर्म ग्रंथ लिखे गए हैं। श्री राम चरित मानस चार वेदों का सार है।यह बात पंडित दशरथ शर्मा ने कही।वे बालाजी नवयुवक मंडल रामपुरा दरवाजा जावद के तत्वाधान में नो दिवसीय अमृत कलश स्थापना महोत्सव एवं श्री राम कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि श्री राम जी संसार के लोगों को तारते हैं उस पार ले जाते हैं। केवट गंगा नदी पार करवरकर एक किनारे से दूसरे किनारे ले जाता है।केवट ने श्री राम से गंगा पार करने का किराया नहीं लिया था केवट ने श्री राम जी से कहा था कि श्री राम जी भवसागर के पार ले जाते हैं।केवट गंगा पार ले जाता है दोनों का कार्य एक हीं है। इसलिए किराया नहीं लूंगा। श्री राम कथा मर्यादा का पालन करने का संदेश देती है।कार्यक्रम का शुभारंभ राम दरबार पर पुजा अर्चना से हुआ-दशरथ महाराज श्री ने गंगा तट पर केवट राम संवाद,मंथरा, कौशल्या, कैक्यी,राजा दशरथ, , राम , गुरु वशिष्ठ, चार वेद,निषाधराज, अयोध्या कांड, ,ऋषि मुनि,वैद पुराण, सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों के वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व पर प्रकाश डाला। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। आरती व रामायण पौथी पुजन में साधु मार्गी जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र गांधी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष अध्यक्ष

श्याम काबरा,भूतेश्वर महादेव के परम भक्त महेश त्रिपाठी, श्रीमद् भागवत आचार्य पंडित शैलेंद्र शर्मा बावल, बरखेड़ा कामलिया सरपंच उमाशंकर नागदा, कमलेश सारडा, विकास ओझा सहित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राम कथा मेंश्रद्धालु भक्तों द्वारा प्रसाद वितरण करवाया गया। रामकथा में अठाना,बावल, तारापुर ,कनेरा, सुखानंद, मंदसौर आदि , ग्रामीण क्षेत्रों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित थे। धर्म सभा का संचालन एडवोकेट सत्यनारायण शर्मा ने किया। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।श्री राम कथा पंडित दशरथ शर्मा भाई जी के श्री मुख से प्रतिदिन दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक प्रवाहित हो रही है।

यज्ञ में आहुतियां दी गई–यज्ञ आचार्य कैलाश नारायण शर्मा सीतामऊ वाले के सानिध्य में प्रायश्चित कर्म यज्ञ मंडप प्रवेश, स्थापित देवता पूजन,यज्ञ शुभारंभ सुबह 8से 12 बजे तक एवं शाम 4से 6 बजे तक प्रतिदिन पंच कुंडात्मक पंच दिवसीय यज्ञ में विद्वान पंडितों की उपस्थिति में वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ 12दम्पत्ति जोड़ों के कर कमलों द्वारा हजारों आहुतियां दी जा रही है।

श्री राम वनवास प्रसंग– श्री राम कथा के मध्य महाराज दशरथ शर्मा भाई जी द्वारा जब श्री राम वनवास प्रसंग के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्व पर प्रकाश डाला तभी भक्ति पांडाल में उपस्थित श्रद्धालु भक्तों द्वारा जय जय श्री राम की जय घोष लगाई गई। श्रद्धालु भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा से श्री राम वनवास के गीत गाकर अगवानी की गई।

लहसून ढेर साफ करने वाली महिला मजदूरों व किसानों के बीच विवाद, डेढ़ घंटे बंद रही नीलामी

पिपलियामंडी, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को कृषि मंडी में लहसुन के ढेर साफ करने वाली महिला मजदूरों व किसानों के बीच विवाद हो गया। इसके चलते करीब डेढ घंटे कृषि उपज मंडी की नीलामी बंद रही। बाद में मंडी प्रशासन ने समझाइश देकर मंडी चालू कराई। जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी में महिला मजदूर, किसानों के लहसुन के ढेर साफ कर उनसे अलग से मजदूरी लेती है। बाहर से लहसुन लेकर आए किसानों का आरोप था कि लहसुन उपर से साफ कर दी जाती है, बाकी भीतर कचरा रहता है, नीलामी के बाद किसानों व व्यापारियों के बीच विवाद की स्थिति बनती है। किसानों ने आरोप लगाया कि महिला मजदूरों ने विवाद के दौरान अशब्द भी कहे। इस बीच मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष कृष्णकुमार भूत सहित व्यापारीगण भी पहुंचे व मंडी प्रशासन से महिला मजदूरों का मंडी में प्रवेश बंद करने की मांग की। विवाद के चलते सुबह 9.30 बजे से नीलामी बंद हो गई। व्यापारियों व किसानों ने मंडी इंस्पेक्टर को ज्ञापन देकर महिला मजदूरों का मंडी में प्रवेश प्रतिबंधित करने की मांग की। मंडी प्रशासन ने किसानों व व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सोमवार तक समस्या का निराकरण कराएंगे। इसके बाद 11 बजे नीलामी शुरु हुई। मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष कृष्णकुमार भूत ने बताया मंडी में महिला मजदूरों व किसानों के बीच आए दिन विवाद की स्थिति बनती है। लहसुन का ढेर केवल उपर से साफ कर दिया जाता है, भीतर कचरा ही रहता है, नीलामी के बाद किसानों व व्यापारियों के बीच भी विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है। पहले भी कलेक्टर व एसडीएम को मामले से अवगत कराकर महिला मजदूरों का प्रवेश बंद कराया था। लेकिन फिर लहसुन को साफ करने के लिए ये महिलाएं मंडी में आ रही है। कई बार लहसुन साफ करके लाए किसान के ढेर में भी ये महिलाएं कचरा उड़ा देती है, जिससे उनकी क्वालिटी खराब हो जाती है। किसानों का भी शोषण हो रहा है व व्यापारियों को भी नुकसान हो रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए जा रहे हैं वाटर कूलर

नीमच, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में ग्रीष्म ऋतु में ग्रामीणों एवं राहगीरों हेतु ठंडे पेयजल की उपलब्धता के लिए शासन निर्देशानुसार प्याऊलगाई जा रही हैं। नीमच जिले में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों द्वारा पूर्व में स्थापित वाटर कूलर और आर ओ सिस्टम को ग्रीष्म ऋतु में ठंडे पेयजल की उपलब्धता हेतु पुन: ठीक करके चालू करवाया जा रहा है। इसकी शुरुआत ग्राम पंचायत खजूरी जनपद पंचायत मनासा द्वारा आर ओ वाटर कूलर ग्रामीणों के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रारंभ किया गया। जिले में 50 से अधिक स्थानों पर आर ओ सिस्टम दुरुस्त किया जा रहे हैं यह जानकारी जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी श्री सुशील दौराया ने दी है।

श्री चित्रगुप्त प्राकट्योत्सव आज मनाया जाएगा

मंदसौर, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री चित्रगुप्त प्राकट्योत्सव आज 4 मई, रविवार को भगवान चित्रगुप्त मंदिर पर मनाया जाएगा। सुबह 9 बजे को भगवान चित्रगुप्त जी का अभिषेक एवं पूजन एवं श्रृंगार किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 11 बजे आरती एवं प्रसाद विवरण किया जाएगा। भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राकट्योत्सव में सम्मिलित होने की अपील कायस्थ समाज अध्यक्ष शैलेन्द्र माथुर, श्री राजनारायण भटनागर, श्री लालबहादुर श्रीवास्तव, श्री अमन भटनागर, श्री दीपेश श्रीवास्तव, श्रीमती रमा माथुर, श्री राजेश कुलश्रेष्ठ, श्री नितिन गौड ने की है।

दीपक गुर्जर के नेतृत्व में हुआ मुख्यमंत्री का विरोध प्रदर्शन

सीतामऊ, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। आज सीतामऊमें मुख्यमंत्री के आगमन पर कांग्रेस नेता दीपक सिंह गुर्जर के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मंदसौर जिले की विभिन्न समस्याओं को लेकर के विरोध प्रदर्शन किया।इस अवसर पर कांग्रेस नेता सुरेश भाटी, रघुराज सिंह लोगनी, मुकेश कुमावत, अशफाक मंसूरी, राघवराज सिंह शक्तावत,श्याम चौधरी, तरुण बरौला, सम्यक चौधरी, धीरज धाकड़,जीवन गुर्जर, दिलीप गुर्जर, अंसारी, अभय बैरागी, सीताराम गुर्जर,अक्षय सेठिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा सभी को गिरफ्तार कर नाहरगढ़ थाने ले जाया गया।

मुख्य रूप से मांगी गई मांगे– मुख्य मांग यह है कि सरकार ने पराली जलाए जाने पर किसानों से जुर्माना वसूलना

शुरू कर दिया है लेकिन उस समस्या जाएगा का हल निकालने की ओर कोई ध्यान नहीं दिया, विशेषकर मंदसौर संसदीय क्षेत्र में किसानों के पास औसत 5 से 6 बीघा ही जमीन है और पराली नष्टीकरण के लिए किसानों को कल्टीवेटर और पलाऊका उपयोग करना पड़ता है जिसका खर्चा 2500 रु/बीघा आता है, वर्तमान स्थितियों में यदि किसान को 6 बीघा जमीन से आय ही 40000-45000 हो रही है उसमें से भी यदि 12500 यदि वो पराली नष्टीकरण में खर्च कर देंगे तो परिवार का पालन कैसे करेंगे। इसके लिए सरकार को 2500रु/बीघा के मान से किसानों को पराली नष्टीकरण के लिए देना चाहिए। मंदसौर शहर में यशनगर, गांधी नगर, मेघदूत नगर के निवासरत 25000-30000 रहवासी पास में ही चल रही अमृत रिफाइनरी के धुएं से प्रताड़ित है लेकिन आज दिनांक तक उस फैक्ट्री पर भी कोई कार्यवाही नहीं ,जबकि कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय भी उसी धुएं की जद में है। वर्ष2018 में ही दलौदा में लोकार्पण हो चुके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को आज दिनांक तक सतत रूप से शुरू नहीं किया गया जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को निजी हॉस्पिटलों की ओर भागना पड़ता है जिससे आमजन को आर्थिक रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। महू नीमच रोड फतेहगढ़ स्थित झअछ ढ्वढ सरिया फैक्ट्री के जहरीले धुएं से पूरे क्षेत्र के आमजन प्रताड़ित और दिनोदिन बीमार हो रहे है जबकि इस फैक्ट्री के पास शासकीय महाविद्यालय और स्कूल भी हैं जहां पूरी दलौदा तहसील के हजारों बच्चे पड़ते हैं। कई लोग टीबी जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हो चुके है। इस फैक्ट्री को हटाया जाए। संपूर्ण जिले आधार कार्ड सेंटरों बंद पड़े शहर के चुनिंदा सेंटरों पर जिले भर की भरी भीड़ लगी हुई है जिससे आमजन भरी तकलीफ झेल रहे हैं और शासकीय योजनाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा। मंदसौर में कई जगह शराब दुकानों को हटाए जाने को लेकर जनआंदोलन चल रहे हैं पर शराब माफियाओं के आगे शासन नतमस्तक है,पर कोई कार्यवाही नहीं की गई,इस पर भी संज्ञान लिया जाए।

गुणवंत मेनारिया का सेना से सेवानिवृत्ति के बाद प्रथम बार नीमच आगमन पर किया सम्मान

नीमच, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के छोटे से कस्बे ग्राम बिसलवास खुर्द निवासी उमाशंकर श्रीमती कमला नागदा (राजगुरु)के सुपुत्र गुणवंत नागदा,मेनारिया के भारतीय सेना में 105वायु रक्षा तोपखाना पर 22 वर्षों तक हवलदार के पद पर निरंतर 30 अप्रैल को बडौदा गुजरात में सेवा निवृत्ति के बाद 3मई बुधवार सुबह 7 बजे नीमच रेलवे स्टेशन पर प्रथम बार नीमच आगमन पर सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीयों, इष्टमित्रों, परिचितों एवं क्षेत्र वासियों द्वारा सम्मान किया। स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय प्रवेश द्वार के सामने नीमच सिटी रोड स्थित शहीद पार्क से 3 मई शनिवार को सुबह 7.30 बजे सम्मान जुलूस निकाला जो नगर व क्षैत्र के प्रमुख मार्गो से होता हुआ नीमच नगर के भगवानपुरा चोराहा,इंदिरानगर एवं शोरूम चौराह, फव्वारा चौक,40 विद्युत केंद्र , सीआरपीएफ चौराहा ,किलेश्वर मंदिर के प्रवेश द्वार के समीप नीमच नगर के प्रमुख नागरिकों जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में समाज सेवी संगठनों के पदाधिकारीयों द्वारा पुष्प माला पहनाकर सम्मान किया गया। जूलुस ग्राम बिसलवास खुर्द पहुंचा जहां ग्रामीण सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीयों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा द्वारा उनका सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि गुणवंत मेनारिया 2003 से 2025तक देश के कश्मीर घाटी पाकिस्तान सीमा व महाराष्ट्र ,हरियाणा, राजस्थान ,गुजरात ,पंजाब जैसे अनेक राज्यों के 24 से अधिक सेना क्रेंदो पर अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का शंखनाद आज–सेवानिवृत्ति कार्यक्रमों की पावन श्रृंखला में भागवत आचार्य नरेंद्र देव नागदा के श्री मुख से श्रीमद्भागवत ज्ञान गंगा आझ 4 मईसे 10मई तक प्रतिदिन सुबह 11 से 4 बजें तक प्रवाहित होगी। श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा का शुभारंभ आज 4 मई को सुबह 7 बजे मंगल कलश यात्रा से होगा। उक्त जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता शिक्षक दशरथ नागदा ने दी है।

पांच दिनी शिवपुराण कथा 7 से

पिपलियामंडी, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। नगर में पांच दिनी शिवपुराण ज्ञान यज्ञ महोत्सव 7 मई से शुरु होगा, समापन 11 मई को होगा। श्री सनातन धर्म सेवा समिति व महिला मंडल शाखा बालाजी के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में आयोजित शिवपुराण कथा मयंक शर्मा (बदनावर) प्रतिदिन शाम 7 से रात्रि 10.30 बजे तक कथा सुनाएंगे।

तकनीकी गलती की भेंट नहीं चढ़ सकता किसी छात्र का भविष्य

गुजरात हाई कोर्ट ने अंतिम क्षणों में दिलाया परीक्षा का प्रवेश पत्र, परीक्षा में शामिल हुई छात्रा

रतलाम/अहमदाबाद, 03 मई गुरु एक्सप्रेस। क्या किसी छात्रा का भविष्य सिर्फ एक तकनीकी गलती की भेंट चढ जाना चाहिए? क्या सिर्फ एक प्रमाणपत्र के फॉर्मेट ने पूरे साल की मेहनत, मेरिट और सामाजिक सच्चाई को ख़ारिज कर दिया?

गुजरात हाईकोर्ट ने आज इस सवाल का जवाब नहीं में दिया और ऐसा करते हुए एक सशक्त, संवेदनशील और संविधानसम्मत उदाहरण पेश किया। मध्य प्रदेश के रतलाम शहर की 17 वर्षीय छात्रा आरोही परमार, जिसने NID की प्रवेश परीक्षा (DAT Prelims) में 44 अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में स्थान बनाया, मात्र इस कारण मेन्स परीक्षा से वंचित कर दी गई कि उसने जइउ प्रमाणपत्र राज्य सरकार के फॉर्मेट में प्रस्तुत किया जबकि संस्थान को केंद्र सरकार के फॉर्मेट की अपेक्षा थी। न तो जातीय स्थिति पर विवाद था, न मेरिट पर। विवाद सिर्फ फॉर्मेट का था और उसकी कीमत थी, मेन्स परीक्षा से बाहर कर दिया जाना। लेकिन इस बार संविधान की आत्मा, और वकालत की दृढ़ता ने मिलकर इस अन्याय को रोका।

जब विधिक रणनीति और मानवीय विवेक ने रास्ता बनाया– गुजरात हाईकोर्ट में पारित वह अंतरिम आदेश केवल एक कानूनी कार्यवाही का परिणाम नहीं था, बल्कि समय की सीमा, संस्थागत प्रक्रिया और संवैधानिक विवेक का संतुलित समायोजन भी था। एडवोकेट सलोनी कटारिया ने खुली किताब से इस मामले की पृष्ठभूमि साझा करते हुए बताया कि यह मामला सामान्य वाद या स्थगन याचिका जैसा नहीं था, बल्कि यह एक ऐसा हस्तक्षेप था, जो समय से पहले न्याय सुनिश्चित करने की अपेक्षा करता था। एडवोकेट कटारिया ने बताया कि याचिका दाखिल होते समय परीक्षा की तारीख बेहद करीब थी, और नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया में लिस्टिंग (सुनवाई) की कोई निश्चितता नहीं थी। ऐसे में उन्होंने कानूनी मार्ग के समानांतर, संस्थागत संरचना को समझते हुए मेंशनिंग की। पहले न्यायमूर्ति अनिरुद्ध पी. माई की कोर्ट में, और बाद में उचित रोस्टर (निर्धारित पीठ) के तहत न्यायमूर्ति निर्झर एस देसाई के समक्ष। इस निर्णय ने प्रक्रिया को सुगम ही नहीं, सार्थक भी बनाया। उन्होंने आगे बताया कि अदालत के समक्ष प्रस्तुत युक्तियाँ मात्र एक प्रमाणपत्र की तकनीकी त्रुटि नहीं थीं-वे समान अवसर, मेरिट और नागरिक अधिकार की बुनियादी बातों को छू रही थीं। छात्रा की योग्यता असंदिग्ध थी, और गलती प्रपत्र के स्वरूप तक सीमित थी। अदालत को यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि यह गलती जानबूझकर नहीं हुई और सुधार भी कर लिया गया है। जस्टिस देसाई ने इस स्थिति की कानूनी, नैतिक और प्रशासनिक तहों को संतुलित रूप से परखा, और यह इंगित किया कि ऐसे मामलों में न्याय का उद्देश्य मात्र प्रक्रिया का पालन नहीं, बल्कि अवसर की रक्षा भी है। एडवोकेट कटारिया ने बताया कि आदेश मिलने के बाद उसका क्रियान्वयन, स्वयं में एक दौड़ थी। आदेश की प्रति इसी दिन (2 मई 2025) करीब शाम 5 बजे उपलब्ध हुई, और महज़ एक घंटे में उसे संबंधित परीक्षा प्राधिकरण तक पहुंचाया गया। देर रात लगभग 10 बजे छात्रा को एडमिट कार्ड प्राप्त हुआ और आज, 3 मई की सुबह, वह नियत समय पर परीक्षा में शामिल हुई। एडवोकेट कटारिया ने बताया कि यह निर्णय अब सिर्फ एक अंतरिम आदेश नहीं, एक पूर्ण क्रियान्वित न्यायिक उदाहरण बन गया है।

कानून सिर्फ धाराओं का अनुक्रम नहीं है। वह अवसर की रक्षा का माध्यम है। अगर एक योग्य छात्रा को सिर्फ एक तकनीकी फॉर्मेट की वजह से परीक्षा से वंचित किया जाए, तो यह संविधान के मूल उद्देश्य के साथ अन्याय होगा।

–सलोनी कटारिया
याचिकाकर्ता की एडवोकेट

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक/ मंदसौर दिनांक

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी श्री मुबारिक मंसूरी पिता अब्दुल निवासी ग्राम रनायरा, जिला मंदसौर की मृत्यु दिनांक 18.12.2023 को हो चुकी है। इनके बोलेरा पिकअप जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक एमपी 14 जेडडी 9434 को इनकी पत्नी भूरी बी ने अपने नाम पर अंतर्गण दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये है।

इस प्रकाशन अवधि के सात दिवस में यदि किसी को आपत्ति हो तो इसे कार्यालय में प्रस्तुत करें। इसके पश्चात उक्त पिकअप को श्रीमती भूरी बी पति स्व. मुबारिक मंसूरी के नाम अंतरण कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

राजकुमार गुप्ता, एड्व्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 166/2025 दिनांक 03.05.2025

***** जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भारतसिंह गुर्जर पिता कचरु गुर्जर निवासी-ग्राम गुदियाना, तहसील व जिला मंदसौर से सर्वे नं. 103 (बी) भूखंड क्रमांक 102 (पी) पटवारी हल्का नं. 00122 पर दर्ज होकर पता-ग्राम गुदियाना, तहसील व जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्वः त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 15 आईजीआर 17852025ए10024971 3, दिनांक 25.04.2025 से मेरे पक्षकार शानाबाई गुर्जर पति भारतसिंह गुर्जर निवासी-ग्राम गुदियाना, तहसील व जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मंदसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-राधेश्याम का मकान, पश्चिम में-करणसिंह का मकान, उत्तर में-जगदीश का मकान, दक्षिण में-रास्ता, पैमाईश रकबा-2507.08 वर्गफीट या 233 वर्गमीटर,

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in